सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 73 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### टीआई ने जूते-कैप उतारकर छुए धीरेन्द्र शास्त्री के पैर, एसएसपी ने किया लाइन अटैच

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के रायपुर एयरपोर्ट पर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के आगमन के दौरान टीआई मनीष तिवारी द्वारा किए गए विशेष सम्मान का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई। स्सक्कलाल उमेद सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए टीआई को लाइन अटैच कर दिया है।

दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें माना थाना प्रभारी टीआई मनीष तिवारी पंडित धीरेंद्र शास्त्री के सामने जूते उतारते, टोपी निकालते और फिर उनके चरण स्पर्श करते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो देखते ही देखते विभिन्न प्लेटफार्मों पर चर्चा का विषय बन गया। वीडियो सामने आने के बाद एसएसपी लाल उमेद सिंह ने मामले को गंभीरता से लिया। सरकारी वर्दी में व्यक्तिगत श्रद्धा का इस तरह प्रदर्शन अनुशासनहीनता माना गया। जांच के दौरान टीआई मनीष तिवारी को लाइन अटैच करने के आदेश जारी किए गए।

### सड़क हादसे में दो युवकों की मौत एक की हालत गंभीर

**बलरामपुर।** बलरामपुर रामानुजगंज में गुरुवार बजे सनवाल क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद वाड्रफनगर अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने बताया ग्राम सनवाल के तीन युवक बाइक से डिंडो की ओर से सनवाल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान डिंडो हाई स्कूल के सामने, विमलापुरमङ्कसनवाल मार्ग से आ रहे एक ट्रैक्टर से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने सुखलेश (उम्र 21 वर्ष) एवं राजनाथ (उम्र 30 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल शंख लाल को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है।

### खड़ी ट्रक में घुसी बाइक, 2 युवकों की मौत

**सरगुजा।** अंबिकापुर शहर के नमनाकला रिंग रोड में तेज रफ्तार बाइक खड़ी ट्रक से जा टकराई। 25 दिसंबर की रात हुए हादसे में 1 युवक की मौके पर मौत हो गई वहीं दूसरे युवक की इलाज के दौरान जान चली गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। जहां उसने दम तोड़ा। फिलहाल दोनों मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 9 बजे बाइक से दो युवक तेज रफ्तार में गांधी चौक से बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। नमनाकला में गुडलक मोटर्स के सामने एक ट्रक खड़ी थी, जिसमें बाइक जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक की मौके पर मौत हो गई, वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल था, जो अस्पताल में दम तोड़ा।

### राज्यपाल डेका ने वीर बाल दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका ने शुक्रवार को लोकभवन में वीर बाल दिवस के अवसर पर पुष्पाजंलि अर्पित की। वीर बाल दिवस गुरू गोविंद सिंह के साहिबज़ादों के बलिदान, पराक्रम और अत्याचार के सामने न झुकने की सीख को याद करने का अवसर है। इन्होंने बाल्यकाल में ही धर्म और राष्ट्र की मर्यादा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी याद में वीर बाल दिवस मनाया जाता है।

## ट्रेन का सफर अब हुआ महंगा: रेलवे ने जारी कर दी किराया वृद्धि की अधिसूचना

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** ट्रेनों में सफर करना अब थोड़ा महंगा हो जाएगा। 26 दिसंबर को रेल मंत्रालय ने किराया वृद्धि की अधिसूचना जारी कर दी। नई दरें 26 दिसंबर 2025 से बुक होने वाले टिकटों पर लागू होंगी। 215 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा पर किराया बढ़ाया गया है। साधारण श्रेणी में प्रति किलोमीटर 1 पैसा, जबकि मेल-एक्सप्रेस और एसी श्रेणियों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है।

रेलवे मंत्रालय ने 21 दिसंबर को ही 26 दिसंबर से यात्री किराया बढ़ाने के फैसले का एलान कर दिया था। यह एक वर्ष के भीतर दूसरी बार है जब रेलवे ने यात्री ट्रेनों के किराये में संशोधन किया है। इससे पहले जुलाई में किराये में बढ़ोतरी लागू की गई थी। अपने फैसले को सही ठहराते हुए मंत्रालय ने कहा कि किराए को तर्कसंगत बनाने का उद्देश्य यात्रियों के लिए किफायती किराया और ऑपरेशन की लागत के बीच संतुलन बनाना है।

### जानें कितना किराया बढ़ा?

रेलवे ने सामसन्य ट्रेनों के किराये में 215 किमी तक कोई बढ़ोतरी नहीं की है। 216 से 2,250 किमी तक किराये में 5 से 20 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। स्लीपर क्लास में 1 पैसे प्रति किलोमीटर और एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर किराया बढ़ाया गया है। राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत, तेजस, अमृत भारत, गतिमान,नमो भारत रैपिड रेल जैसे विशेष ट्रेनों में भी वही बढ़ोतरी लागू होगी।

### उपनगरीय ट्रेनों पर असर नहीं

भारतीय रेलवे ने ट्रेनों के किराये में बदलाव किया है, जो 26 दिसंबर यानी शुक्रवार से लागू हो रहा है। हालांकि, उपनगरीय ट्रेनों के सिंगल टिकट पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। सभी प्रकार के सीजन टिकट उपनगरीय और गैर-उपनगरीय में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रेलवे ने यह भी साफ किया है कि संशोधित किराया 26 दिसंबर 2025 या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर ही लागू होंगे।

## वीर बाल दिवस पर क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी समेत 20 बच्चे बाल पुरस्कार से सम्मानित

### राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वीर बच्चों को किया पुरस्कृत, छत्तीसगढ़ की बालवीर भी सम्मानित

**नई दिल्ली।** वीर बाल दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 20 बच्चों को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित किया। इन बच्चों को 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से चुना गया है। 14 साल के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पुरस्कार लेने के लिए दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने क्रिकेटर को सम्मानित किया।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पाने वाले बच्चों में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बॉर्डर पर जवानों को चाय-नाश्ता देने वाले फिरोजपुर के श्रवण सिंह भी शामिल हैं। 2 बच्चों को मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया। इनमें तमिलनाडु की ब्योमा और बिहार के कमलेश कुमार का नाम शामिल है। इनके पुरस्कार माता-पिता ने लिए।

### 2022 में पीएम मोदी ने की वीर बाल दिवस की घोषणा

वीर बाल दिवस गुरु गोविंद सिंह के चार बेटों की शहादत के सम्मान में आयोजित किया जाता है। गुरु गोविंद सिंह के तीन पत्नियों से चार बेटे थे, जिनका नाम अजीत, जुझार, जोरावर और फतेह था। इन्हें साहिबजादे भी कहा जाता है। 26 दिसंबर 1705 को चारों बेटों की मुगल सेना ने हत्या कर दी थी। उनकी शहादत का सम्मान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की थी।

### कोण्डागांव की जूडो खिलाड़ी पुरस्कृत

छत्तीसगढ के कोण्डागांव जिले की रहने वाली 14 साल की योगिता मंडावी को खेल में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। योगिता ने अपने माता-पिता को बचपन में ही खो दिया था। योगिता जन्म से ही नक्सल प्रभावित इलाके में रहीं। हालांकि अब ये क्षेत्र नक्सल मुक्त हो चुका है। योगिता राष्ट्रीय स्तर की जूडो खिलाड़ी हैं। इन्होंने कई राष्ट्रीय पुरष्कार जीते हैं।

### राष्ट्रपति ने की सराहना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरस्कार पाने वाले बच्चों से कहा, सभी बच्चों ने अपने परिवारों, समाज और पूरे देश का नाम रोशन किया है। इसलिए, मैं इन बच्चों के परिवार वालों को भी दिल से बधाई देती हूं। मैं महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और उनकी पूरी टीम की भी तारीफ करती हूं कि उन्होंने इतने प्रतिभाशाली और होनहार बच्चों के लिए पुरस्कार समारोह आयोजित किया।

## दर्दनाक हादसा : सड़क क्रास कर रही महिला को ट्रक ने कुचला

■ पुलगांव थाना क्षेत्र की घटना, महिला की मौके पर ही मौत

**भिलाई।** दुर्ग शहर के पुलगांव थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। महिला केपीएस दुर्ग में काम करती थी। सुबह स्कूल जाने निकली तो सड़क क्रास करते समय ट्रक की चपेट में आ गई। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। वहीं इस मामले में पुलगांव पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलगांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार केपीएस स्कूल दुर्ग की कर्मचारी कोल्हियापुरी निवासी उत्तरा देशमुख (50) शुक्रवार की सुबह स्कूल के लिए निकली। सुबह 7:00 के करीब पुलगांव चौक पर भारी वाहन ने उसे ठोकर मार दी। हादसे में उत्तरा देशमुख की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा पुलगांव चौक पर तब हुआ जब राजनांदगांव की ओर से आ रहा एक ट्रक बालोद की दिशा में मुड़ रहा था। इसी दौरान ट्रक ने महिला को अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पहुंचकर घटना निरीक्षण के पश्चात अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

## बढ़ेगी ठंड , 2 डिग्री तक गिरेगा पारा, दुर्ग में शीतलहर, रात का पारा 9.2 डिग्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दुर्ग में शीतलहर का असर बना हुआ है, जहां रात का तापमान 9.2 डिग्री तक गिर गया। अंबिकापुर, पेंड्रा और रायगढ़ में भी ठिठुरन बढ़ गई है, और सुबह-शाम के वक्त लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं।

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में लगभग 1-2 डिग्री की गिरावट के साथ ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। साथ ही, कुछ इलाकों में शीतलहर और कोहरे का

असर भी देखने को मिल सकता है।विभाग ने यह भी बताया कि मौसम में कहीं कोई विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश का अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री दुर्ग में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड हुआ।

### मणिकंचन केंद्र में लगी आग लाखों का कबाड़ हुआ राख

**धमतरी।** धमतरी जिले के मगरलोड थाना क्षेत्र अंतर्गत मणिकंचन केंद्र में आग लग गई थी। मणि कंचन केंद्र में रोज की तरह काम करने स्वच्छता दीदी पहुंचती है। वही आज स्वच्छता दीदी को सूचना मिली कि केंद्र में आग लग गई है,जिस केंद्र में काम करने वाली दीदियां केंद्र पहुंची लेकिन तबतक आग भीषण रूप ले चुकी थी। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया लिया है। मणि कंचन केंद्र की स्वच्छता दीदियों ने बताया कि केंद्र में बहुत सारा कबाड़ी का सामान रखा हुआ था। जो इस आग लगने से पूरा जलकर खाक हो गया।

## कांगेर वैली को विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने की कवायद तेज, वैज्ञानिकों ने पूरा किया सर्वे कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की कांगेर घाटी की रहस्यमयी गुफाओं और जैव-विविधता से भरपूर प्राकृतिक जंगल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया तेज हो गई है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) के वैज्ञानिक कांगेर घाटी की विशेषताओं पर विस्तृत शोध रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। इसे फरवरी में पेरिस स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र भेजा जाएगा। रिपोर्ट के आधार

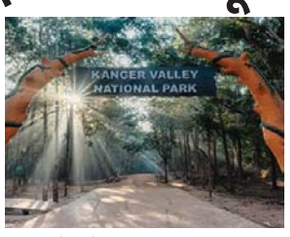


पर यूनेस्को द्वारा गहन अध्ययन और मूल्यांकन के बाद कांगेर घाटी को स्थायी विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर निर्णय लिया जाएगा।

वैज्ञानिकों ने कांगेर घाटी का साइट सर्वे पूरा कर लिया है। यहां कुटमसर, कैलाश और दंडक जैसी प्रमुख गुफाओं के साथ ग्रीन गुफा और कई छोटी गुफाएं मौजूद हैं। पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अरुण पांडे ने कहा कि वैज्ञानिकों के माध्यम से घाटी के बारे में रिपोर्ट तैयार कराई जा रही है। उन्हीं के माध्यम से यूनेस्को भेजेंगे। विश्व धरोहर की सूची में शामिल होने से यहां का महत्व बढ़ जाएगा। इससे पर्यटन खासतौर पर विदेशी पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। कांगेर घाटी में इस साल खोजी गई ग्रीन गुफा में 26 जनवरी से पर्यटकों की एंट्री होगी।

### सुरक्षाबलों की सतर्कता से दो आईईडी बरामद, मौके पर किया गया नष्ट

**बीजापुर।** बीजापुर जिले में माओवादी विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे एरिया डॉमिनेशन ऑपरेशन के दौरान बड़ी साजिश को नाकाम किया गया है। सीआरपीएफ की 214वीं वाहिनी की टीम एफओबी कांडलापर्ती-2 से क्षेत्र में गश्त एवं सर्च ऑपरेशन के लिए निकली थी।

अभियान के दौरान डिमाइनिंग कार्रवाई करते हुए 214वीं वाहिनी की बीडीडी टीम ने 20 किलोग्राम एवं 5 किलोग्राम वजन के दो आईईडी बरामद किए। इसके अतिरिक्त, काले तिरपाल में लिपटे एक कंटेनर से 110 नग सुतली बम (पटाखा) भी जब्त किए गए। दोनों आईईडी को बीडीडी टीम द्वारा मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

## नवजात को 6 लाख में बेचने की साजिश

■ महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने मानव तस्करी रैकेट का किया पर्दाफाश

**मुंबई।** महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने एक मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार यह लोग सात दिन के नवजात शिशु को 6 लाख रुपए में बेचने की कोशिश कर रहे थे।

सूचना मिलने पर, शहर पुलिस की मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ ने पश्चिम इलाके में एक होटल के पास जाल बिछाया। गिरोह को टोकन राशि के तौर पर यूपीआई के माध्यम से 20,000 रुपए दिए गए थे, शेष 5.8 लाख रुपये नकद में दिए जाने थे। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और सौदे के लिए आए सभी पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान शंकर संभाजी मनोहर (36) के रूप में हुई है, जिन्होंने नकदी स्वीकार की थी, रेशमा शहाबुद्दीन शेख (35), जिन्होंने बच्चा प्राप्त किया था, इगतपुरी स्थित एजेंट नितिन संभाजी मनोहर (33) और शेखर गणेश जाधव (35), और मुंबई के मानखुर्द में स्थित एजेंट आसिफ चंद खान (27) हैं। छठी सहयोगी, जिसकी पहचान सबीना के रूप में हुई है, फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

### राजस्थान के चौमू में सांप्रदायिक तनाव: धार्मिक स्थल से पत्थर हटाने पर भड़का विवाद

**जयपुर।** राजस्थान के जयपुर जिले के चौमू कस्बे में आधी रात के बाद अचानक सांप्रदायिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। एक मस्जिद से जुड़े विवाद के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर पत्थरबाजी कर दी, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात बिगड़ते देख पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और लाठीचार्ज करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम से मस्जिद परिसर के पास सड़क किनारे पड़े पत्थरों को हटाने का कार्य चल रहा था। यह पत्थर लंबे समय से आबादी क्षेत्र में सड़क पर पड़े थे, जिससे यातायात बाधित हो रहा था और अक्सर जाम की स्थिति बन जाती थी। पत्थर हटाने की कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने विरोध किया और तनाव बढ़ गया।

## जो 100 मीटर सो पहाड़, बाकी सब टीले

पहाड़ियों की परिभाषा ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या रेगिस्तान का दायर बढ़ने लगेगा, जंगल खत्म हो जाएंगे, झीलों का कैचमेंट और भूजल रिचार्ज खत्म होगा। बारिश का सिस्टम बिगड़ जाएगा। धूल भरी आंधियों को रोकने वाला भी कोई नहीं होगा। इस समय राजस्थान सहित देश भर में अरावली बचाने की मुहिम चल रही है। मुहिम की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली की नई परिभाषा को मंजूरी देने से हुई। इसके अनुसार 100 मीटर या इससे ऊंची पहाड़ी को ही अरावली माना जाएगा। 2010 की फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया रिपोर्ट के मुताबिक करीब 12 हजार पहाड़ियों में से 92 प्रतिशत इसमें फिट नहीं होते। अर्थात सरकार चाहे तो गैर-पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर खनन का ठेका दे सकती हैं। दिल्ली से राजस्थान तक फैले अरावली के पुराने पहाड़ों को बचाने की मुहिम कोई नई नहीं है। 1992 से यह मामले सुप्रीम कोर्ट में है। मार्च 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत में एक समिति गठित करने के आदेश दिए। मई 2024 में केंद्रीय सशक्त समिति का गठन किया गया। समिति की सिफारिशों को सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को स्वीकार किया और इस परिभाषा को मान्यता दे दी है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव कहते हैं कि अरावली में इतने सारे रिजर्व क्षेत्र (वन क्षेत्र, वाइल्ड लाइफ सेंक्चुअरी, नेशनल पार्क, ईको सेंसिटिव जोन) हैं कि खनन हो ही नहीं सकता? रिजर्व क्षेत्रों में भी एक बफर जोन भी होता है। इस बफर जोन में भी खनन नहीं हो सकता। एक्सपर्ट्स की मानें तो अरावली राजस्थान के लिए जल, जलवायु और पर्यावरण संतुलन की रीढ़ है। रेगिस्तान को रोकने के साथ ही यह वर्षा कराती हैं। अरावली के विनाश से जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की कई प्रजातियां समाप्त हो जाएंगी। प्रकृति का बैलेंस बिगड़ जाएगा। अरावली का विनाश हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी विनाश है। दरअसल, नए दौर में राजस्व ही सबकुछ है। खनन होगा तो राजस्व मिलेगा। निर्माण को गति मिलेगी। परिभाषाओं में फंसे जंगल कट रहे हैं, पहाड़ खोदे जा रहे हैं। सरकार अवैध खनन और कटाई पर ठीकरा फोड़ रही है।

### कनाडा में भारतीय की हत्या, 20 वर्षीय शिवांक गोलीबारी का शिकार

**टोरंटो।** कनाडा के टोरंटो में हुई गोलीबारी में एक भारतीय छात्र शिवांक अवस्थी की मौत हो गई। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास हुई गोलीबारी में 20 वर्षीय भारतीय डॉक्टरेट छात्र शिवांक अवस्थी की हत्या पर दुख जताया।

पुलिस ने बताया कि अवस्थी को 23 दिसंबर को हाईलैंड क्रीक ट्रेल और ओल्ड किंग्स्टन रोड इलाके में गोली मारी गई थी। दूतावास से जारी बयान में कहा गया, 'टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास हुई गोलीबारी में युवा भारतीय छात्र शिवांक अवस्थी की दुखद मृत्यु पर हम गहरा शोक व्यक्त करते हैं। दूतावास ने कहा, 'इस मुश्किल वक्त में दूतावास शोक संतप्त परिवार के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में सभी जरूरी सहायता दे रहा है।

संपादकीय

# सरसों का संकट

### किसानों को आर्थिक संबल जरूरी

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फ्सल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फ्सल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फ्सलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फ्सल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खून-पसीने की उपज को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूं और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन प्रणाली मौजूद है, सरसों की फ्सल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फ्लत: किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

> **“ यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फ्ट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य श्रृंखलाओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है।**

दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महंगे आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज की खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएं पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फ्ट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। निश्चित रूप से इसके लिए अनिवार्य शर्त है कि बाजार की संरचना में जरूरत के अनुरूप बदलाव प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य श्रृंखलाओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है।

यही प्रयास पंजाब के खेतों में पीली आभा फ्र से पैदा करने की दिशा में कारगर साबित होंगे। सही मायनों में पंजाब में सरसों की खेती की कहानी नीतिगत विसंगतियों को ही उजागर करती है। दरअसल, संस्थागत स्तर पर समर्थन कुछ चुनिंदा फ्सलों को दिया जाता रहा है। जब तक यह असंतुलन दूर नहीं किया जाता, सरसों एक खोये हुए अवसर का प्रतीक बनकर रह जाएगी। इस फ्सल के पुनरुद्धार के लिये महज नारों की ही नहीं, बल्कि उसी गंभीरता की आवश्यकता है, जो गेहूं और धान की फ्सलों को लेकर लंबे समय से बरती जाती रही है।

# गांवों की तस्वीर बदलने वाला विधेयक जी राम जी

जी राम जी को विकसित भारत के लिए विकसित ग्रामीण व्यवस्था तैयार करने के स्पष्ट उद्देश्य से लाया गया है। विपक्षी पार्टियों और आलोचकों को इस पर अमल का इंतजार करना चाहिए तब उनको वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगेगा। जहां तक तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल का आरोप है तो यह समझने की जरुरत है कि अगर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जाए तो पहले की तरह योजनाओं में अनियमितता बनी रहेगी। संसद का शीतकालीन सत्र ऐतिहासिक रहा। वंदे मातरम् और चुनाव सुधार पर दो लंबी और सार्थक चर्चा के साथ आठ विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हुए। दो अन्य विधेयक संसदीय समितियों को भेजे गए। राज्यसभा में उत्पादकता 121 प्रतिशत और लोकसभा में 111 प्रतिशत रही। दुर्भाग्य से लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष संसद की अहम कार्यवाही के समय नदारद रहे। वे जर्मनी में बीएमडब्लु की फैक्टरी घूम रहे थे और साढ़े चार सौ सीसी की बाइक के साथ तस्वीरें खिंचवा रहे थे। उनकी अनुपस्थिति में देश के लोगों ने प्रियंका गांधी वाड्रा की राजनीतिक समझ का परिचय प्राप्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के साथ औपचारिक चाय पार्टी में उनकी उपस्थिति ने भारत की गरिमामय संसदीय परंपरा की तस्वीर प्रस्तुत की।

एस. सुनील

बहरहाल, 2025 का शीतकालीन सत्र विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक के लिए याद किया जाएगा। यह भारत के गांवों की तस्वीर बदलने वाला विधेयक है। विपक्षी पार्टियों ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए इस विधेयक के नाम का मुद्दा बनाया और महात्मा गांधी बनाम रामजी का विवाद खड़ा किया। महात्मा गांधी की समाधि पर भी राम ही लिखा हुआ है और यह विधेयक महात्मा गांधी के रामराज्य और ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने वाला है। वे अंतिम व्यक्ति के सशक्तिकरण के जिस सिद्धांत के पक्षधर थे वह इस विधेयक के कानून बनने से पूरा होगा। यह विधेयक राज्यों को भी सशक्त बनाएगा, उन्हें अपनी योजनाएं लागू करने में मदद करेगा और गांवों में एक मजबूत व टिकाऊ बुनियादी ढांचा तैयार करेगा, जिससे आने वाले वर्षों में गांवों की तस्वीर बदलेगी।

इस विधेयक को मंगलवार, 16 दिसंबर को लोकसभा में पेश किया गया और विपक्ष के अनुरोध पर अगले दिन इस पर चर्चा रखी गई। वह चर्चा 17 दिसंबर की रात दो बजे तक चलती रही। विपक्ष के 90 से ज्यादा सांसदों ने अपनी बात रखी और अगले दिन 18 दिसंबर को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने विपक्ष के आरोपों को बिंदुवार तरीके से खारिज किया। उसके बाद बिल को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। उसके तत्काल बाद इसे राज्यसभा में पेश किया गया और वहां भी 18 दिसंबर की आधी रात तक चर्चा के बाद इसे पास किया गया है। विपक्ष को लग रहा था कि यह विधेयक अचानक पेश कर दिया गया और इसके पीछे कोई तैयारी नहीं है। परंतु जब चर्चा शुरू हुई और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना की कमियां और उसमें हो रही गड़बड़ियों की परतें खुलने लगीं और इस विधेयक के प्रावधान सामने आने लगे तब समझ में आया कि सरकार ने इसके लिए कितनी तैयारी की थी।

संसद में हुई चर्चा से पता चला कि पश्चिम बंगाल के 19 जिलों में मनरेगा के क्रियान्वयन में गड़बड़ियों का पता चला था। उसके बाद देश भर में इसका अध्ययन किया गया। 23 राज्यों से मिली रिपोर्ट में इस कानून में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का पता चला और साथ ही यह भी पता चला कि यह कानून अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभा चुका है। इसके जरिए अब कोई नया लक्ष्य नहीं हासिल किया जा सकता है। जबकि भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए गांवों में बुनयादी ढांचे के विकास के साथ साथ ग्रामीण आबादी को आत्मनिर्भर बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि भारत के गांव अब वैसे नहीं हैं, जैसे 2005 में थे। उस समय की जरुरतों के मुताबिक इस कानून को बनाया गया था। लेकिन अब गांव बदल गए हैं। वहां बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़क, बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है। गांवों में भी वैसी गरीबी नहीं है, जैसी 2005 में थी। देश में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की आबादी घट कर पांच प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने गरीबी उन्मूलन के अभियान को अत्यंत प्रभावशाली तरीके से क्रियान्वित किया है। तभी एब्सोल्यूट पॉवर्टी लगभग पूरी तरह से समाप्त हो गई है। इसलिए गांवों में रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दूसरी पीढ़ी की योजना की आवश्यकता थी और वह आवश्यकता इस नए कानून से पूरी होगी।

इस विधेयक की तीन बुनियादी कारणों से आलोचना की जा रही है। विपक्ष का आरोप है कि इससे रोजगार का अधिकार खत्म हो जाएगा और दूसरे कानूनी रूप से रोजगार प्राप्त करने की गारंटी खत्म हो जाएगी। तीसरी बात यह है कि इसे मांग आधारित योजना की बजाय आवंटन आधारित यानी सप्लाई आधारित योजना बनाया जा रहा है। ये तीनों बिंदु पूरी तरह से गलत हैं। सबसे पहले तो सरकार ने मनरेगा के तहत मिलने वाले एक सौ दिन की रोजगार गारंटी को बढ़ा कर 125 दिन कर दिया है। यानी अब अगर ग्रामीण इलाके का कोई व्यक्ति या परिवार चाहे तो 125 दिन रोजगार उसे मिलेगा। दूसरी बात यह है कि पहले की तरह अब भी यह कानूनी बाध्यता है कि रोजगार मांगने के 15 दिन के भीतर उसे रोजगार उपलब्ध कराया जाए अन्यथा बेरोजगारी भत्ता दिया जाए। सवाल है कि जब रोजगार के दिन बढ़ा दिए गए और 15 दिन के अंदर रोजगार उपलब्ध कराने की वैधानिक व्यवस्था को बनाए रखा गया तो अधिकार या गारंटी कैसे खत्म हो गई?

जहां तक आवंटन आधारित योजना का रूप देने की बात है तो इस योजना के तहत केंद्र सरकार पर्वतीय राज्यों जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के सिक्किम सहित अन्य राज्यों के लिए इस योजना में 90 प्रतिशत फंड देगी। इसी तरह जिन केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा नहीं है वहां सौ फीसदी फंड केंद्र सरकार देगी। बाकी राज्यों में 60 और 40 फीसदी की हिस्सेदारी होगी। विपक्षी पार्टियों को अंदाजा नहीं है कि केंद्र सरकार की ओर से दिया जाने वाला 60 प्रतिशत फंड कितना होगा लेकिन उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया है। हो सकता है कि वह 60 फीसदी फंड ही अभी दिए जाने वाले सौ प्रतिशत फंड से ज्यादा हो। अभी 60 हजार करोड़ रुपए का बजट आवंटन होता है और संशोधित खर्च 86 हजार करोड़ तक हुआ था। हो सकता है कि सरकार इसमें कटौती नहीं करे या इससे ज्यादा फंड दे। लेकिन उससे पहले ही विपक्षी पार्टियों ने इसे विरोध का आधार बना दिया।

असल में विपक्ष और तमाम आलोचक इस बात को समझ ही नहीं रहे हैं कि बदलती हुई जरुरत के हिसाब से योजनाओं को भी बदलना होता है। 20 साल पहले कोई योजना शुरू हो गई तो जरूरी नहीं है कि वह उसी रूप में आज भी प्रासंगिक हो। एक समय था, जब तालाब खोदना या भरने का काम इस योजना के तहत किया गया। यह भी सही है कि कोरोना महामारी के समय यह योजना करोड़ों लोगों के जीवन का आधार बनी।

लेकिन ऐसा नहीं है कि नए रूप में यह करोड़ों लोगों के जीवन का आधार नहीं रहेगी। नए रूप में इस योजना से नागरिकों को ज्यादा लाभ मिलेगा और साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित भारत के हिसाब से बुनियादी ढांचा तैयार करने में भी आसानी होगी। इस विधेयक के चार बहुत स्पष्ट लक्ष्य तय किए गए हैं। पहला, जल संरक्षण की व्यवस्था करना। इस योजना के जरिए जल स्त्रोतों को पुनर्जीवन देना और उनको संरक्षित रखना एक लक्ष्य है। दूसरा, ग्रामीण स्तर पर टिकाऊ बुनियादी ढांचा विकसित करना, जिससे भविष्य में लोगों को रोजगार मिलता रहे और उनका जीवन सुगम बने। तीसरा, आजीविका के साधन तैयार करना। इसका भी मकसद है कि ऐसा ढांचा तैयार हो, जिससे लोगों को स्वतंत्र रूप से जीवनयापन के साधन उपलब्ध हों। और चौथा, मौसम की मार से लोगों को बचाने का ढांचा तैयार करना है। इन दिनों मौसम का अतिरेक बहुत आम घटना है। उसे रोकने के उपाय हों और किसी वैसी आपदा की स्थिति में लोगों को बचाने का ढांचा मौजूद हो यह भी इस विधेयक का लक्ष्य है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि विधेयक को व्यापक रूप दिया गया है, इसके व्यापक लक्ष्य तय किए गए हैं और इसे पूरी तरह से विकसित भारत के लिए विकसित ग्रामीण व्यवस्था तैयार करने के स्पष्ट उद्देश्य से लाया गया है। विपक्षी पार्टियों और आलोचकों को इस पर अमल का इंतजार करना चाहिए तब उनको वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगेगा। जहां तक तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल का आरोप है तो यह समझने की जरुरत है कि अगर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जाए तो पहले की तरह योजनाओं में अनियमितता बनी रहेगी। तकनीक जैसे बायोमेट्रिक्स, एआई आधारित व्यवस्था, जियो टैगिंग या डैशबोर्ड की जरुरत है ताकि किसी किस्म की संभावित गड़बड़ी को रोका जा सके।

बहरहाल, संसद के शीतकालीन सत्र की एक ऐतिहासिक उपलब्धि परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र निजी कंपनियों के लिए खोलने की भी रही। सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया यानी शांति विधेयक के जरिए सरकार ने परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र निजी कंपनियों के लिए खोल दिया है। विकसित भारत बनाने के लिए यह अनिवार्य आवश्यकता है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने। उसका एक रास्ता परमाणु ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाना है।

उसे नए कानून के जरिए हासिल किया जा सकेगा। दोनों अहम विधेयक पारित होने से पहले संसद के शीतकालीन सत्र में वंदे मातरम् के डेढ़ सौ साल पूरे होने के मौके पर लंबी चर्चा हुई। स्वंय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस चर्चा की शुरुआत की। इसके अलावा चुनाव सुधारों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिस पर गृह मंत्री अमित शाह बोले। इस तरह की चर्चाओं से संसद की सार्थकता बनती है। कुल मिला कर संसद का शीतकालीन सत्र सार्थक चर्चाओं और बेहद आवश्यक विधायी कार्यों को संपन्न करने वाला रहा।

# रचनात्मकता में एआई के उपयोग की सीमा का प्रश्न

अटानु बिश्वास

जब हर क्षेत्र में एआई का उपयोग बढ़ रहा है तो सवाल है कि रचनात्मकता यानी साहित्य व कला के संदर्भ में एआई का कितना उपयोग स्वीकार्य है। दरअसल, मानव सृजनात्मकता पर एआई के आक्रमण के प्रतिरोध और स्वीकृति का स्तर, समय व भूगोल के साथ बदलता रहता है। हालांकि कला क्षेत्र में रचनात्मकता को गंभीर मिलावट से तब तक बचाना चाहिये जब तक यह एक नई तरह की कला के लिए राह न खोल दे।

एक दिलचस्प समाचार के रूप में, न्यूजीलैंड के दो पुरस्कार विजेता लेखकों की किताबों, स्टेफ्नी जॉनसन के लघु कहानी संग्रह 'ओब्लिगेट कार्निवोर' और एलिजाबेथ स्मिथर के उपन्यास संग्रह 'एंजेल ट्रेन', को कृत्रिम बुद्धि (एआई) के उपयोग के कारण 65 हज़ार न्यूज़ीलैंड डॉलर पुरस्कार राशि वाले 2026 ओखम बुक अवॉर्ड्स (फ्क्शन), जो देश का शीर्ष साहित्यिक पुरस्कार है, के लिए विचार करने के अयोग्य घोषित कर दिया गया। यह अस्वीकृति लेखन में एआई के उपयोग को लेकर नहीं बल्कि पुस्तकों के कवर डिज़ाइन के कारण हुई, जो एआई उपयोग संबंधी नए दिशानिर्देशों का पालन नहीं करते पाए गए। स्वाभाविक ही इस एआई युग में यह सवाल उठता है कि रचनात्मकता के संदर्भ में एआई का कितना उपयोग स्वीकार्य है। लक्ष्मण रेखा कहां होनी चाहिए?

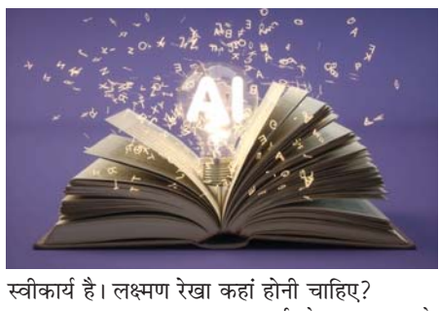

मानव रचनात्मकता पर एआई के आक्रमण के प्रतिरोध और स्वीकृति का स्तर, समय और भूगोल के साथ बदलता रहता है। जर्मन फ़ोटोग्राफ़र बोरिस एल्डैग्सन 2023 में तब एक व्हिसलब्लोअर बन गए, जब उन्होंने सोनी वर्ल्ड फोटोग्राफी अवार्ड्स में क्रिएटिव ओपन श्रेणी का पुरस्कार यह कहकर स्वीकार नहीं किया कि विजेता छवि बनाने के लिए उन्होंने एआई का उपयोग किया था।

लेकिन बीजिंग के सिंघुआ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शेन यांग ने एआई का उपयोग करके केवल तीन घंटों में 'लैंड्स ऑफ मेमोरी' नामक पुस्तक बना दी और इसने अक्तूबर 2023 में, जियांग्सू यूथ पॉपुलर साइंस फिक्शन प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता। इसके अलावा, यह स्वीकार करने के बाद भी कि उनके उपन्यास 'टोक्यो-टू डोजो-टू' का 5 फीसदी शब्दश: चैटजीपीटी द्वारा बनाया गया था, जापानी लेखिका री कुडन ने 2024 में अकुतागावा पुरस्कार जीता, जो जापान के प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मानों में से एक है! कुडन के अनुसार, उन्होंने 'नरम और अस्पष्ट' शब्द खोजने को एआई की मदद ली थी, वे जो उनके उपन्यास में व्याप्त न्याय की जटिल अवधारणाओं को समाहित करते हों, इसे चयन समिति ने 'कोई गलत नहीं' माना।

खैर, एड्रियन ब्रॉडी ने 'द ब्रुटलिस्ट' फिल्म में अपने द्वारा अभिनीत भूमिका में हंगेरियन भाषा बोलते समय, उच्चारण बेहतर बनाने के लिए, एआई के उपयोग के बावजूद इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अकादमी पुरस्कार जीता। इस वर्ष की अन्य ऑस्कर-नामांकित फिल्मों में, एआई क्लोनिंग का उपयोग जैक्स ऑडियार्ड के ट्रांसजेंडर गैंगस्टर म्युज़िकल एमिलिया पेरेज़ में कार्ला सोफिया गैसकॉन की गायन आवाज़ को बेहतर बनाने के लिए भी किया गया था। क्या यह स्पष्ट संकेत है कि हॉलीवुड भी मात्र दो सालों में एआई को स्वीकार कर अपने अभिनेताओं और पटकथा लेखकों के दोहरे हमले को मान्यता दे रहा है, यह सुनिश्चित करने को कि चलो श्रमिकों ने अपना काम नई तकनीक से बदलने की बजाय उस पर नियंत्रण तो बनाए रखा? इसके उल्ट, अकादमिक पत्रिकाएं इन दिनों शोध पत्रों में एआई के उपयोग के विरुद्ध सख्त रुख रखे हैं, हालांकि चैटजीपीटी को 2022 के अंत व 2023 के शुरू में प्रकाशित कई शोधपत्रों में सह-लेखक सूचीबद्ध किया गया। सामान्यत: मानव रचनात्मकता के क्षेत्र में एआई की स्वीकृति या अस्वीकृति पर इंसान का दृष्टिकोण दुनियाभर में समान नहीं। क्या एक समान दृष्टिकोण असल में जरूरी है? एआई विकसित होने पर ट्रस्ट को मानदंडों की समीक्षा और सुधार करने की जरूरत पड़ सकती है।

लगभग दो साल पूर्व, एआई टेक्स्ट-टू-इमेज जनरेटर 'स्टेबल डिफ्यूजन' द्वारा बनाई एक छवि को बीजिंग अदालत द्वारा कॉपीराइट संरक्षण प्रदान किया गया, जिसका मत था कि कलाकृति 'वादी की बौद्धिक कल्पना से बनाई गई थी' और 'व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का मूर्त रूप है'। क्या यह बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त करने को 'आधे-मानव, आधे-एआई कार्य' को मान्यता देने की दिशा में एक कदम है? आइए साहित्य क्षेत्र की स्थिति और उसमें एआई के कारण आए भूचाल पर नजर डालें। सलमान रुशदी ने कुछ माह पहले कहा था कि लेखकों को एआई से तब तक खतरा नहीं जब तक यह लोगों को हंसाने लायक न बन जाए। रुशदी के अनुसार, उन्हें यह दिखावा करना पसंद है, मानो एआई का कोई वजूद ही न हो। प्रसिद्ध कनाडाई लेखिका मार्गरेट एटवुड ने भी बीते साल साक्षात्कार में कहा कि वह अभी लेखन में 'अच्छा समय' बिता रही हैं और एआई के विकास बारे चिंतित होने के लिहाज से वे बहुत बूढ़ी हैं।

# 2025 में भारत ने बहुत कुछ खोया

हरिशंकर व्यास

सन् 2025 में भारत ने बहुत कुछ खोया। हालांकि दुनिया ने भी इस वर्ष बहुत गंवाया। पर भारत का नुकसान अपनी प्रकृति में अलग था। यदि अमेरिका एक अकेले डोनाल्ड ट्रंप से पहचान, गरिमा और विवेक में खोखला, भटका हुआ था तो भारत का सत्य है राष्ट्र-राज्य की प्रवृत्तियों, साख और नैतिक धाक को गंवा देना है। मई के ऑपरेशन सिंदूर से भारत में जो शोर था उससे न विश्व राजनीति प्रभावित हुई और न शक्ति का रूतबा बना। अर्से बाद पहली बार पाकिस्तान को दुनिया सुनती और मानती हुई थी।फिर दक्षिण एशिया में बांग्लादेश और नेपाल में जेनरेशन ज़ेड के सत्ता पलट से भारत पड़ोस में बेगाना व अकेला हुआ। इक्कीसवीं सदी के शुरुआती दशक से दक्षिण एशिया में भारत स्वाभाविक नेतृत्व-स्थिति पाए हुए था वह खत्म होते-होते 2025 में लगभग समाप्त है। बांग्लादेश की ताजा घटनाओं से 2026 में वहां कट्टरपंथी भारत विरोधी सत्ता तय है।

ऐसे ही विश्व राजनीति में इक्कीसवीं सदी के शुरुआती दशक में भारत-अमेरिकी एटमी करार के बाद भारत का वैश्विक प्रभाव बना। वह भी अब या तो खत्म है या बहुत हद तक ले दे कर बतौर बाजार भारत की पहचान है। संदेह नहीं कि 2025 में भारत की बाजार हैसियत, उपभोग और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाओं की चैन के एक स्थान से आर्थिकी साबुत रही लेकिन यह गर्व का विषय कम, और पराश्रित आर्थिकी का संकेत अधिक है। दुनिया भारत को महज उपभोक्ता-संख्या की विशालता में जांचती है न कि किसी निर्णायक भूमिका, विचार या संतुलनकारी शक्ति के रूप में। सो, आर्थिक बढ़ोतरी के आंकड़े ठोस विकास के नहीं, बल्कि खोखली, पराश्रित वास्तविकताओं की गंभीर चेतावनी लिए हुए है।

एक तरह से पूरे वर्ष भारत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गर्म-सर्द रूख से अपने आपमें खोया हुआ था। उसी की वजह से भारत दुनिया के फोकस में भी था। साल भर प्रधानमंत्री मोदी जितना बोले, जैसा भारत में नैरेटिव रहा वही ट्रंप के कारण भारत घिरा रहा। पहलगांव में हुए आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर से जो क्रियाङ्प्रतिक्रिया का सिलसिला बना, उसमें भारत में जहां शौर्य के नगाड़े थे वही अमेरिकी राष्ट्रपति के आक्रामक आत्मप्रदर्शन के सामने भारत ने धारे रखी एक ऐसी चुप्पी जिसे दुनिया ने कमजोरी नहीं, बेबसी के रूप में पढ़ा। राष्ट्रवाद की ऊंची ध्वनि के बीच यह अंतरराष्ट्रीय मौन भारत की घटती राजनीतिक स्वायत्तता का संकेत बना।

मेरा यह विश्लेषण मेरा नहीं है, बल्कि एक तरह से एआई का है। दरअसल मैंने वर्ष 2025 के अपने कॉलम एआई को पढ़वाए तो उसका लब्बोलुआब था कि 2025 भारत के लिए किसी एक घटना का वर्ष नहीं रहा। यह प्रवृत्तियों का वर्ष था—ऐसी प्रवृत्तियों का, जो धीरे-धीरे जमा होती हैं और फिर एक बिंदु पर पूरे समाज की दिशा तय करने लगती हैं। यह वह साल रहा, जिसमें सत्ता पहले से अधिक स्पष्ट दिखी, पर अर्थ पहले से अधिक धुंधला हो गया। इसमें निर्णय तेज़ हुए, पर विमर्श संकुचित; और जिसमें राष्ट्र-भावना ऊंचे स्वर में बोली, पर नागरिक-चेतना धीमे कदमों से पीछे छूटती गई। 2025 में भारत में सत्ता पहले से अधिक मुखर, स्पष्ट हुई, और पहले से अधिक संकुचित भी। अधिकार का केंद्रीकरण तेज़ हुआ, सत्ता की भाषा आत्मविश्वासी बनी और सार्वजनिक हाव-भाव निर्णायक सा दिखाई दिया लेकिन इस स्पष्टता की एक कीमत थी। वह पुराना संस्थागत संतुलन, जहां फैसले बहस, असहमति और विकल्पों से होकर गुजरते थे, धीरे-धीरे पतला, सिकुड़ता, संकुचित होता गया। संसद चली, विपक्ष के वॉकआउट के बावजूद। सार्वजनिक विमर्श भी जारी रहा, लेकिन वह राजनीति का इंजन कम और उसका बैकग्राउंड ज़्यादा बनता चला गया।

यह कोई अचानक आई गिरावट नहीं थी; यह वर्षों से बन रही उस प्रवृत्ति की परिपक्व अवस्था थी, जिसमें शासन प्रक्रिया से अधिक प्रस्तुति याकि शोशेबाजी, तमाशा बनता चला गया। यही तनाव अर्थव्यवस्था में भी दिखाई दिया। विकास का दावा ज़ोर-शोर से किया गया—हेडलाइन आंकड़ों में, निवेश घोषणाओं में, और वैश्विक मंचों पर पूरे भरोसे के साथ। लेकिन इस आशावाद के नीचे एक शांत बेचैनी थी- अस्थिर नौकरियां, नाजुक असंगठित श्रम, और उपभोग-आधारित विस्तार की साफ़ दिखती सीमाएं। अर्थव्यवस्था चल तो रही थी, इसमें संदेह नहीं था। लेकिन वह यह सवाल लगातार टाल रही थी कि वह किसे आगे ले जा रही है, और किसे पीछे छोड़ रही है। यह आर्थिक असफलता की कहानी नहीं थी, बल्कि आर्थिक चिंता की—गति थी, लेकिन आश्वासन नहीं।समाज ने इन दबावों को अपने ढंग से आत्मसात किया। सामाजिक धरातल पर 2025 भावनात्मक ध्रुवीकरण का नहीं, बल्कि उसकी सामान्यीकृत अवस्था का वर्ष रहा। जो कभी असाधारण उत्तेजना थी, वह अब रोज़मर्रा की भाषा बन चुकी थी। असहमति को शत्रुता समझने की प्रवृत्ति अब हाशिए की नहीं रही। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं थी; यह एक सामाजिक मनोदशा बनती गई—जहां प्रश्न पूछना जोखिम और चुप रहना सुरक्षा माना जाने लगा। नागरिक धीरे-धीरे भागीदार से दर्शक की भूमिका में सरकते गए। संस्कृति और भाषा ने भी इसी थकान को प्रतिबिंबित किया। अनुवादों, रीमिक्स और आयातित विचारों की बाढ़ के बीच मौलिक सृजन का साहस कम होता गया। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में कायदे का कुछ नहीं हुआ। यह भाषा का संकट नहीं था, यह सांस्कृतिक श्रम से पलायन था। समाज उपभोग के लिए उत्सुक दिखा, सृजन के लिए अनिच्छुक। यहीं राजनीति और संस्कृति मिलती हैं, जब सत्ता आसान कथाएं मांगती है, और समाज उन्हें बिना प्रतिरोध स्वीकार कर लेता है। इस भीतर की थकान की एक बाहरी प्रतिध्वनि भी थी। वैश्विक स्तर पर 2025 अनिश्चितता को स्वीकार करने का वर्ष रहा। पुराने गठबंधन ढीले पड़े, नए हित उभरे। भारत इस बदलती दुनिया में अधिक उपस्थित था, लेकिन उसकी भूमिका सावधानी और प्रतीक्षा से परिभाषित थी। यह न कमजोरी थी, न ताकत, यह उस दौर का हस्ताक्षर था जहां फैसलों को टालना खुद एक रणनीति बन जाता है। इसलिए, साल के अंत से देखें तो 2025 संकट वर्ष जैसा नहीं लगेगा, बल्कि यह कुछ और, कुछ अधिक ठहरा और अधिक फिसलन वाला है। कोई एक बड़ी टूट नहीं, बल्कि स्थायी शोर का मौसम। हर दिन निर्णायक बनकर आया, कोई अभियान, कोई बयान, कोई वीडियो, कोई दावा, और इस अंतहीन तात्कालिकता के नाचगाने में विवेक और गरिमा लगभग चुपचाप फ्रेम से बाहर खिसक गए।

देश और ऊंची आवाज़ में बोलने लगा, लेकिन आत्मविश्वास सिमटकर बेचैनी में बदलता गया। सार्वजनिक जीवन सक्रिय दिखता रहा, ऊर्जावान भी, पर अर्थ के स्तर पर वह भीतर से खोखला होता चला गया। इस अर्थ में 2025 ने भारत के सामने एक दर्पण रखा। उसमें उपलब्धियां भी झलकीं, और आत्ममुग्धता भी; आत्मविश्वास भी, और अनकहे जोखिम भी। भारत ने इस वर्ष कोई युद्ध नहीं हारा। कोई चुनाव नहीं हारा। उसने आर्थिक दौड़ भी नहीं हारी। जो उसने खोया, वह कहीं अधिक सूक्ष्म था, और इसलिए अधिक ख़तरनाक- विवेक पर भरोसा। वही शांत, अलक्षित संसाधन, जिसके बिना सत्ता टिक नहीं सकती। यही 2025 का असली हिसाब है, और उसकी सबसे कठोर बही।

2025 जवाबों के साथ बंद नहीं होता, बल्कि एक चेतावनी के साथ हो रहा है, कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं टिकता, बल्कि विवेक के उस रोज़मर्रा, अलंकार-रहित श्रम से कि जितनी अधिक सत्ता सघन होती है, उतनी ही ज़्यादा उसे प्रश्नों की ज़रूरत होती है। और यह कि सभ्यताएं नाटकीय क्षणों में नहीं गिरतीं, वे तब क्षरित होती हैं जब सोचना असुविधाजनक हो जाता है, जब शोर चिंतन की जगह ले लेता है, और जब असहमति को निष्ठा-विरोध समझ लिया जाता है।

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट

CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544



# श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग



प्रिंट और डीजिटल मीडिया में सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करें

Mob.-: 9303289950 7987166110






## प्रमुख खबरें

### मेहर समाज प्रदेश स्तरीय परिचय सम्मेलन 28 को

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ मेहर समाज प्रदेश स्तरीय युवक युवती एवं परिचय सम्मेलन प्रतिभा सम्मान समारोह 28 दिसंबर रविवार को मंगल भवन पुराना सरस्वती शिशु मंदिर भाटापारा में रखा गया सम्मेलन का आयोजन दो सत्र में किया गया है। मीडिया विभाग के देवेन्द्र लहरी ने बताया कि कार्यक्रम में गुरू खुशवंत सिंह साहेब केबिनेट मंत्री, राजेश अग्रवाल कैबिनेट मंत्री, इन्द्र साव विधायक भाटापारा, संदीप साहू विधायक कसडोल, शिवरतन शर्मा पूर्व विधायक भाटापारा शामिल होंगे!

### क्रिसमस पर मसीही परिवारों को दी मुबारकबाद

**भिलाई।** क्रिसमस पर्व के मौके पर विभिन्न धर्म व समुदायों के प्रतिनिधियों ने अलग-अलग चर्च में पहुंच कर मसीही परिवारों को क्रिसमस पर्व की मुबारकबाद दी। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट सेक्टर-6 के पदाधिकारीगण, बौद्ध समुदाय के प्रतिनिधि व अन्य सामाजिक संगठन के लोग सुबह से शहर के अलग-अलग चर्च पहुंचे और यहां प्रार्थना के बाद बाहर निकल रहे परिवारों को क्रिसमस की मुबारकबाद दी। क्रिश्चियन कम्युनिटी चर्च सेक्टर-6 में बड़ी संख्या में अलग-अलग धर्म व संगठनों के प्रतिनिधि पहुंचे।

### आईकेसीसीएस ने बीएसपी से रिटायर कर्मियों को दी विदाई

**भिलाई।** भिलाई स्टील प्लांट के कर्मियों की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें माह नवम्बर और उससे पूर्व सेवानिवृत्त हुए बीएसपी कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों का स्वागत करते हुए उनकी जमा निधियों के अंतिम भुगतान का चेक प्रदान किया।

### पेंशन कोई अहसान नहीं है - आचार्य महेश शर्मा

**दुर्ग।** प्रोफेसर डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने कहा है कि पेंशन कई अहसान नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने 17 दिसंबर 1982 को कहा था कि पेंशन न कोई कृपा है, न अहसान और ना ही दान, अपितु अतीत में की गई सेवाओं का भुगतान है। समाज और शासन इस लिये पेंशनर्स के स्वाभिमान और अधिकारों का सम्मान भी करते हैं। डॉ शर्मा दुर्ग भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ द्वारा आयोजित पेंशनर्स दिवस पर मुख्य अतिथि की आसन्दी से बोल रहे थे।

### भारतीय छात्रों की बुद्धिमता का अमेरिका में महत्व : शिवांगी

**भिलाई।** भारतीय विद्यार्थियों की बुद्धिमता का अमेरिका में विशेष महत्व है। यही कारण है कि भारतीय विद्यार्थी विभिन्न अमेरिकी प्रतिष्ठानों में उच्च पदों पर पदस्थ हैं। इसलिए भारतीय विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय को गहराई से समझने का प्रयास करना चाहिए। यह बातें हॉवर्ड विश्वविद्यालय अमेरिका में पढ़ रही स्कॉलर शिवांगी श्रीवास्तव ने आज साइंस कॉलेज के भूगर्भ शास्त्र विभाग में हुए आमंत्रित व्याख्यान को संबोधित करते हुए कही।

## पावरग्रिड प्रभावित किसानों को मिला मुआवजा, गर्भवतियों की गोदभराई रस्म भी हुई

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** भारत सरकार के सुशासन सप्ताह के अवसर पर प्रशासन ने बुधवार को ग्राम मचान्दुर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया। इसमें दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर भी शामिल हुए। विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारियों द्वारा विभाग से संबंधित जनता की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया।

इस दौरान विभागों को मिले कुल 210 आवेदनों में से 102 का मौके पर निराकरण किया गया। शेष आवेदनों के लिए एक सप्ताह का समय तय किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा ग्राम बोरीगारका निवासी बिसाहू राम गजपाल को उनके आवेदन पर त्वरित कार्यवाही करते हुए व्हीलचेयर उपलब्ध



कराया। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग ने 3 नवनिहालों का अन्नप्रासन्न संस्कार और 3 गर्भवतियों की गोदभराई कराई। 5 किसानों को रागी किस्म बीएल-376 की मिनी किट बांटी गई।

राजस्व विभाग द्वारा 400 केवी पावरग्रिड प्रभावित किसान मोहन लाल, जयराम, हरिराम, बिसेलाल, शिवनंदन, होमलाल को मुआवजा राशि का चेक दिया।

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1, 2, 3 के सहायिका और स्वच्छाग्राही दीदियों को विशिष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसी प्रकार जल संरक्षण पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। शिविर में अफसरों ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया।

## छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता अटल जी को याद रखेगा दुर्ग, जेल तिराहा बना 'अटल चौक'

### सांसद विजय बघेल ने किया लोकार्पण, कहा- आज भी दिशा देते हैं उनके विचार

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती और सुशासन दिवस के पावन अवसर पर दुर्ग शहर को एक ऐतिहासिक सौगात मिली। शहर के सुवा चौक स्थित जेल तिराहा अब अटल परिसर चौक के नाम से जाना जाएगा। इस अवसर पर अटल परिसर प्रांगण में स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का भव्य लोकार्पण दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल के करकमलों से संपन्न हुआ।

उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर प्रदेश के 115 शहरों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी एवं श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। सौंदर्यीकरण के तहत विकसित यह अटल परिसर चौक अब शहर की पहचान का नया केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल ने

कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि विचार, कविता और राष्ट्रभावना के प्रतीक थे। उनकी वाणी और दूरदर्शी सोच आज भी देश को मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि अटल – आडवाणी का कमल निशान मांग रहा है हिंदुस्तान जैसे नारों के साथ अटल जी ने देश को छह वर्षों तक सशक्त नेतृत्व दिया और भारत को विश्व पटल पर नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उन्होंने यह भी बताया कि आज देशभर में 115 स्थानों पर अटल जी की प्रतिमाओं का अनावरण किया जा रहा है।

सांसद श्री बघेल ने हाल ही में सम्पन्न सांसद खेल महोत्सव का उल्लेख करते हुए बताया कि इस आयोजन में लगभग पंद्रह सौ खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है, जो राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की सीख देता है।

महापौर अलका बाघमार ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी एक महान राष्ट्रनेता, संवेदनशील कवि और निर्भीक पत्रकार थे। उन्होंने मानवीय मूल्यों के साथ राष्ट्रसेवा की। उनके निर्णय कठोर हो सकते थे, लेकिन उनका उद्देश्य सदैव जनकल्याण रहा। उन्होंने आधारभूत संरचना और परिवहन विकास में अटल जी की दूरदर्शी पहल को स्मरण करते हुए कहा कि भविष्य में यह चौक अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृतियों का जीवंत केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम में कलेक्टर अभिजीत सिंह, नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्री श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्यगण, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन अटल जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धा और संकल्प के साथ किया गया।

## अजात शत्रु रहे अटल बिहारी वाजपेयी : विधायक चन्द्राकर

श्रीकंचनपथ समाचार

**रिसाली।** भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के प्रतिमा अनावरण समारोह में सैकड़ों लोगों ने अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को आजात शत्रु के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने वर्चुअल कार्यक्रम रिसाली में बने अटल परिसर का लोकार्पण किया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे राजनितीज्ञ है जिन्हें सुनने अपार भीड़ व विपक्ष के लोग इंतजार करते थे। उनकी भाषा शैली इतनी सटिक थी कि वे अपनी बात संक्षेप में पूरा करते थे। छत्तीसगढ़ के निर्माता के रूप में वे हमेशा वंदनीय रहेंगे। विधायक ललित ने कहा कि साहित्यकार, पत्रकार जैसे अनेक विधा उनमें विद्यमान थी। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे अनेक योजनाओं को विस्तारित करते हुए कहा कि भारत की दिशा और दशा को अटल बिहारी वाजपेयी ने बदली है।

इस अवसर पर सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद सविता ढवस, ममता सिन्हा, गजेन्द्री कोठारी, सरिता देवांगन, माया यादव, शीला नारखेड़े, खिलेन्द्र चंद्राकर, विधी यादव, धमेन्द्र भगत, मनीष यादव, विनय नेताम, ईश्वरीय साहू, मण्डल अध्यक्ष अनूपम साहू, राजू जंघेल, विधायक प्रतिनिधि गोविंद साव आदि उपस्थित थे।

## नशा मुक्ति पर दिव्य कार्यशाला आयोजित

**भिलाई** (श्रीकंचनपथ)। ग्राम धौराभाटा में आयोजित एनएसएस कैंप के अंतर्गत दिव्य कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय नशा मुक्त भारत रहा।

इस अवसर पर डॉ. पी. एल. साव (प्रांतीय संयोजक, दिया छत्तीसगढ़) ने नशा मुक्त समाज के निर्माण पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, सकारात्मक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

इंजीनियर युगल किशोर (प्रांतीय सह संयोजक) ने युवाओं को आत्म अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण और सामाजिक दायित्व के महत्व को समझाया।

कार्यक्रम के दौरान आत्म चिंतन, आत्म सुधार, आत्म निर्माण एवं आत्म विस्तार जैसे मूल्यों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। एनएसएस स्वयंसेवकों एवं ग्रामवासियों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों एवं ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

## नेहरू नगर भिलाई में अटल परिसर का भव्य लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत नेहरू नगर पूर्व स्थित प्लेनेटोरियम के समीप नवनिर्मित 'अटल परिसर' का आज गरिमामय समारोह में लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव और वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम स्थल पर मुख्य रूप से भिलाई महापौर नीरज पाल, निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय, सभापति गिरवर बंटी साहू, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिंहा और भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन उपस्थित थे। साथ ही महापौर परिषद सदस्य संदीप निरंकारी, स्थानीय पार्षद चंदेश्वरी बांधे, पार्षद विनोद सिंह, रामानंद



मौर्य, नोहर वर्मा, संजय सिंह, मुकेश अग्रवाल, अनिता साहू, मदन सेन सहित अपर आयुक्त राजेंद्र दोहरे एवं निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे द्वारा किया गया।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने स्वागत भाषण देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के देशहित में किए गए अविस्मरणीय कार्यों को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में शुरू हुई स्वर्णिम चतुर्भुज योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने देश के विकास की दिशा बदल दी।

परमाणु परीक्षण और उनकी सुदृढ़ विदेश नीति ने भारत को विश्व पटल पर एक नई पहचान दिलाई।

महापौर नीरज पाल एवं नेताप्रतिपक्ष भोजराज ने कहा उनका किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं था। वे एक ऐसे जननेता थे जिनका सम्मान विपक्ष भी पूरी श्रद्धा से करता था। यही कारण था कि विपक्ष में रहते हुए भी उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने भेजा जाता था। जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, सभापति गिरवर बंटी साहू, पार्षद चंदेश्वरी बांधे सहित सभी वक्ताओं ने उनकी कविताओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक संवेदनशील 'कवि हृदय' व्यक्तित्व बताया।

नेहरू नगर पूर्व के इस परिसर का नामकरण अटल जी के नाम पर करना उन्हें एक सच्ची श्रद्धांजलि है। यह परिसर क्षेत्र के विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा। कार्यक्रम में लोगों को सामग्री वितरण किया गया।

## सेवा व विकास के दो वर्ष पूर्ण होने पर जनसम्पर्क विशेष

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** सेवा और विकास के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा नेहरू नगर पार्क, जोन क्रमांक 1 भिलाई में एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शाम 6 बजे शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में रेडियो जॉकी (आरजे) अनिमेश जैन एवं उनकी टीम ने रोचक गतिविधियों का संचालन किया, जिससे पूरे आयोजन में उत्साह और जीवंतता बनी रही। मंच पर स्थानीय कलाकारों द्वारा नृत्य, गायन और कविता पाठ जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण शासकीय योजनाओं पर आधारित क्विज एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रही। प्रतियोगिता को रोचक बनाने के लिए खेल-खेल में प्रश्न पूछे गए, जिसमें गीत के साथ एक गेंद प्रतिभागियों के बीच पास की जाती रही। गीत बंद होने पर जिसके पास गेंद आती, वह एक चिट निकालता और उसमें लिखे शब्द या योजना को हाथों के इशारों से समझाता। इसके माध्यम से प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

प्रश्नोत्तरी में महतारी वंदन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि से जुड़ी प्रमुख योजनाओं पर आधारित प्रश्न शामिल किए गए। सुशासन तिहार के अवसर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इन योजनाओं ने उनके जीवन में सकारात्मक और वास्तविक बदलाव लाए हैं। कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता को सुशासन के महत्व से जोड़ना, शासन की योजनाओं की जानकारी देना तथा स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना रहा। विजयी प्रतिभागियों को स्थानीय दुकानों एवं स्टॉल्स की ओर से डिस्काउंट वाउचर और कूपन प्रदान कर सम्मानित किया गया। जनसंपर्क विभाग ने शासन की योजनाओं को सरल और मनोरंजक तरीके से आमजन तक पहुँचाने का सफल प्रयास किया।

## राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर किया रायपुर रेल्वे स्टेशन का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई/रायपुर।** राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर यात्रियों के अधिकारों और सुविधाओं के प्रति जागरूकता लाने छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में डीआरयूसी मेंबर लोकेश चंद्रकांत जैन तथा जितेन्द्र शादीजा ने रायपुर जंक्शन का निरीक्षण किया। टीम ने यात्रियों से सीधा संवाद कर स्टेशन की व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया। स्टेशन परिसर में यात्री सुविधा, खान-पान और स्वच्छता, पेयजल और बैठक व्यवस्था, एस्केलेटर, लिफ्ट, टिकट बुकिंग हेतु लगी मशीनों की कार्यक्षमता को परखा गया। स्टेशन परिसर में यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए यात्रियों से सुझाव मांगे गए।


Since 1972

CROWN-TV®

Choice Of Millions

Washing Machine / Cooler Available All Size



CONTACT :

Atlas Radio Traders (Crown)

Sect.-3, D-48, Ward No. 22

Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009

Near Akash Gas Agency Line

## खास खबर

### फाउंडेशन ने रेडियम बेल्ट बांधकर गौ-सुरक्षा का दिया संदेश

**बिलासपुर।** गुरुवार को फाउंडेशन ने गौ-सेवा के 1600 दिन पूरे किए। इस अवसर पर गौ माताओं की सुरक्षा के लिए उन्हें रेडियम बेल्ट बांधी, ताकि रात्रि के समय सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि एवं पशुहानि को रोका जा सके। इस अवसर पर नीरज गेमनानी, सृष्टि सिंह, अनिता तिवारी, जसमीत सिंह टुटेजा मौजूद रहे।

### विद्यार्थियों ने पुरी, भुवनेश्वर व कोणार्क का भ्रमण किया

**सीपत।** सरस्वती शिशु मंदिर राजकिशोर नगर के विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत पुरी, भुवनेश्वर व कोणार्क का भ्रमण किया। चार दिवसीय इस शैक्षिक यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने पुरी में भगवान जगन्नाथ स्वामी के दर्शन किए और कोणार्क सूर्य मंदिर, नंदनकानन जैविक उद्यान सहित अन्य दर्शनीय स्थलों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व धार्मिक धरोहर को निकट से देखने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

### 85 बाल कलाकारों ने भगवान हनुमान के उकेरे विभिन्न रूप

**बिलासपुर।** हनुमान महापाठ समिति, साईं माउली परिवार, व संस्कार भारती जिला इकाई का हनुमान चालीसा अर्थ एवं प्रेरणा पर केंद्रित 45 चित्रों की प्रदर्शनी चल रही है। तीसरे दिन प्रदर्शनी स्थल पर हनुमान चालीसा पर केंद्रित चित्रकला प्रतियोगिता हुई। इसका का संयोजन रूपाली काले, मोना केवट व चंद्रशेखर देवांगन ने किया। इसमें 85 बाल चित्रकारों ने 4 आयु वर्गों में सहभागिता की। बच्चों ने भगवान हनुमान के विभिन्न रूपों को चित्रों में उकेरा।

### परिचय सम्मेलन में 39 जोड़ों ने विवाह के लिए दी सहमति

**बिलासपुर।** अखिल भारतीय कसौंधन वैश्य महासभा ट्रस्ट, बिलासपुर इकाई द्वारा कसौंधन समाज भवन में छत्तीसगढ़ स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। 627 युवक-युवतियों ने परिचय दिया। युवतियों ने अपेक्षा जताई कि वर आत्मनिर्भर या नौकरीपेशा, नशे से दूर रहने वाला हो तथा सास-ससुर बेटी की तरह व्यवहार करें। युवकों ने पढ़ी-लिखी, परिवार को साथ लेकर चलने वाली युवती को प्राथमिकता देने की बात कही। सम्मेलन के बाद 39 जोड़ों ने विवाह के लिए आपसी सहमति दर्ज की। 68 बहुओं को पुत्रवधु सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि किरण गुप्ता व विशिष्ट अतिथि प्रमिला गुप्ता रहीं।

### नर्सिंग संस्थानों में एडमिशन अब 31 दिसंबर तक, एक माह बढ़ाई

**रायपुर।** नर्सिंग कोर्स में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए बड़ी राहत की खबर है। इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पाठ्यक्रमों में दाखिले की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब देशभर के सभी नर्सिंग संस्थानों में 31 दिसंबर 2025 तक प्रवेश लिया जा सकेगा। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में लिया गया है। इससे पहले एडमिशन की अंतिम तारीख 30 नवंबर 2025 निर्धारित थी।

### कृषि कॉलेज में खेख्सी पर शोध, व्यावसायिक उत्पादन करेंगे किसान

**भाटापारा।** दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय व अनुसंधान केंद्र, भाटापारा में पारंपरिक सब्जी खेख्सी पर चल रहे शोध ने इसकी वैज्ञानिक खेती और मानकीकृत उत्पादन तकनीक की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां दी हैं। महाविद्यालय ने आधा एकड़ क्षेत्र में खेख्सी की व्यावहारिक खेती कर तकनीकों का परीक्षण और मानकीकरण किया है। जिससे आने वाले समय में खेख्सी की खेती में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. देवेंद्र उपाध्याय इस परियोजना में अनुसंधान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय भाटापारा के अधिष्ठाता डॉ एचएल सोनबोइर के मार्गदर्शन में इस शोध में बुआई की तिथि, प्लास्टिक मल्च तकनीक, ड्रिप सिंचाई तथा फर्टिगेशन की मानकीकरण प्रक्रियाएं शामिल हैं।

# सेना के जवानों ने सीखा तनाव से निजात पाने और हमेशा खुश रहने का तरीका

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** इन्टरनेशनल माइण्ड एण्ड मेमोरी मैनेजमेन्ट ट्रेनर ब्रह्माकुमार शक्तिराज सिंह के मार्गदर्शन में नवा रायपुर के सेक्टर-20 स्थित शान्ति शिखर में आर्मी के जवानों के लिए राजयोग मेडिटेशन का एक सत्र रखा गया। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर तेजिन्दर सिंह गाबा सहित बड़ी संख्या में सेना के अधिकारी और जवान सपरिवार उपस्थित थे। विषय था- हैप्पीनेस को हाय और टेन्शन को बाय।

ब्रह्माकुमार शक्तिराज सिंह ने कहा कि तनाव से बचने के लिए मन में पैदा होने वाले विचारों की संख्या (क्वांटिटी) को कम करना है और उसकी गुणवत्ता (क्वालिटी) को बढ़ाना है। इस देश में माइण्ड को सेट करने का तरीका सिखलाने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान के अलावा दूसरा कोई संस्थान नहीं है। माइण्ड

को सेट करने के लिए राजयोग मेडिटेशन सबसे अच्छा तरीका है। जैसे मोबाईल की बैटरी को रोज चार्ज करते हैं, उसी प्रकार माइण्ड को भी रोज चार्ज करने की जरूरत है। रात को जब हम सोते हैं तो सिर्फ शरीर को आराम मिलता है किन्तु मेडिटेशन करने से आत्मा को शान्ति की अनुभूति होती है। उन्होंने आगे बतलाया कि ताली बजाना अच्छा एक्सरसाईज है। इसलिए कहते हैं कि ताली बजाओ रोग भगाओ। चिकित्सकों का कहना है कि ताली बजाने से हार्ट अटैक का खतरा बीस प्रतिशत कम हो जाता है। हमारे विचारों का जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जो हम सोचते हैं वही हमें बदले में वापिस मिलता है इसलिए सदैव सभी के लिए शुभ सोचो। उन्होंने कहा कि निगेटिव एनर्जी को खत्म करने का अच्छा तरीका है कि हम मुस्कुराना सीखें।

# अटल जी ने बनाया छत्तीसगढ़, मोदी इसे संवार रहे - उद्योग मंत्री देवांगन

## सुशासन दिवस समारोह के लाइव प्रसारण को मुख्यमंत्री साय ने किया संबोधित

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने सुशासन दिवस के अवसर पर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे संवार रहे हैं।

श्री देवांगन ने कहा कि अटल जी के संबंध में जितना भी कहा जाए, वह कम है। उन्होंने अपने सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व के स्वामी थे, जिनका सम्मान विपक्षी नेता भी करते थे तथा देश का हर वर्ग उनकी कार्यशैली, उनके आचरण व उनके सिद्धांतों का कायल था।

उक्त बातें उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कोरबा में आयोजित सुशासन दिवस के अवसर पर कही। देश के पूर्व

प्रधानमंत्री भारत स्व.अटलबिहारी बाजपेयी जी की 101 वीं जयंती पर आज जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम केारबा द्वारा विवेकानंद उद्यान के सामने स्थित अटल परिसर में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता महापौर संजूदेवी राजपूत ने की। सभापति नूतन सिंह ठाकुर, गोपाल मोदी, प्रभारी कलेक्टर व निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण व पार्षदगण उपस्थित थे।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अटल परिसर में स्थापित अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं कार्यक्रम की शुरूआत कराई, वहीं राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा दिए गए अभिभाषण का श्रवण भी अतिथियों व नागरिकों के द्वारा किया गया, उपस्थितजन राजधानी रायपुर के उक्त सम्पूर्ण आयोजन में आनलाईन रूप से शामिल भी हुए।

उद्योग मंत्री ने आगे कहा कि आज प्रदेश के 115 शहरों में अटल परिसर का लोकार्पण हुआ है, उन्होने कोरबा में निर्मित अटल परिसर की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से यह सर्वश्रेष्ठ अटल परिसर है। डॉ. रमन सिंह ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में प्रदेश के गांव-गांव में अटल चौक का निर्माण कराया था, और अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव प्रदेश के सभी शहरों में अटल परिसर का निर्माण कराया है।

# तैनाती के छह माह बीते 20 शिक्षक लापता, होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** शिक्षक युक्तियुक्तकरण को लगभग छह महीने बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद 11 मिडिल स्कुल शिक्षकों ने अब तक अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। खास बात यह है कि इन शिक्षकों के अभ्यावेदन पहले ही अमान्य घोषित किए जा चुके हैं। समय पर ज्वाइनिंग नहीं देने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए संयुक्त संचालक (जेडी) ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं और जांच दल का गठन किया है।

जांच की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को सौंपी गई है। आदेश के बाद बिना पदभार ग्रहण किए बैठे शिक्षकों में हड़कंप है।

शासन के निर्देश पर जून माह में जिले में बड़े पैमाने पर शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया था। इसके तहत शहर और आसपास के स्कूलों में आवश्यकता से अधिक पदस्थ शिक्षकों को शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों में भेजा गया। जिले में करीब साढ़े सात सौ शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया था। इस प्रक्रिया के खिलाफ कई शिक्षक हाईकोर्ट पहुंचे, जहां से कुछ को राहत भी मिली। वहीं, जिला और संभाग स्तरीय समितियों के समक्ष भी अभ्यावेदन प्रस्तुत किए गए।

हालांकि, मिडिल स्कूल के 11 शिक्षकों को किसी प्रकार की राहत नहीं मिली और उनके आवेदन निरस्त कर दिए गए। इसके बावजूद उन्होंने अब तक नए स्कूलों में ज्वाइनिंग नहीं दी है। शासन के आदेश पर इन शिक्षकों का वेतन पहले ही रोका जा चुका है, इसके बाद भी वे नए पदस्थापन स्थल पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं।

संयुक्त संचालक आरपी आदित्य ने संभाग स्तर पर ऐसे सभी शिक्षकों के मामलों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, जांच के बाद इनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें बर्खास्तगी की अनुशंसा तक शामिल हो सकती है। कुछ मामलों में क्रेक सर्विस की प्रक्रिया अपनाने की भी चर्चा है।

### कोंडागांव के अटल परिसर का मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किया लोकार्पण

**कोण्डागांव।** भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को कोंडागांव नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत बंधा तालाब गार्डन के पास 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित अटल परिसर का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया गया, जहां उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विभाग के भारसाधक मंत्री सहित अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के कुल 115 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का एक साथ वर्चुअल लोकार्पण किया गया। कोंडागांव में आयोजित स्थानीय लोकार्पण कार्यक्रम नगरपालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती पर नमन किया तथा देश के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान को स्मरण किया।

# विजय शर्मा केपीएल क्रिकेट में 20 बॉल में लगी सेंचुरी

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** कवर्धा विधानसभा में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से पहली बार आयोजित विजय शर्मा केपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस प्रतियोगिता ने क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच प्रदान किया है।

विजय शर्मा केपीएल में खिलाड़ियों ने अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। कवर्धा ग्रामीण मंडल के बदराडीह निवासी

राम नारायण पटेल ने मात्र 20 गेंदों में 100 रन बनाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वहीं भोरमदेव ग्रामीण मंडल के सेवाईकछार निवासी भीखम यादव ने केवल 30 गेंदों में 125 रन की विस्फोटक पारी खेलकर प्रतियोगिता को और भी खास बना दिया। केपीएल मैच के दौरान खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए शानदार चौकों और छक्कों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे पूरा स्टेडियम खेलमय वातावरण से गूंज उठा।

विजय शर्मा केपीएल के आयोजन से ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिल रहा है। केपीएल न केवल खेल को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दे रहा है। क्षेत्रवासियों ने इस आयोजन के लिए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए इसे कवर्धा विधानसभा के खेल इतिहास में एक ऐतिहासिक पहल बताया है।

### कोन्टा में 'उन्नत रामा' तिल का सफल प्रदर्शन

**सुकमा।** कलेक्टर अमित कुमार के कुशल मार्गदर्शन में सुकमा जिले में आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा द्वारा जिले में तिल की उन्नत किस्म उन्नत रामा का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया जा रहा है, जिससे तिल उत्पादन को नई दिशा मिल रही है। इसी क्रम में कोन्टा विकासखंड के अंतर्गत लगभग 220 एकड़ क्षेत्रफल में तिल की फसल लगाई गई है, जो वर्तमान में कटाई की अवस्था में है। 21 दिसंबर को एर्राबोर एवं आसपास के ग्रामों में प्रक्षेत्र दिवस सह कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम किया गया।

# कोरबा महापौर ने रैनबसेरा को दिया इलेक्ट्रिक हीटर

श्रीकंचनपथ समाचार

**कोरबा।** महापौर संजूदेवी राजपूत ने रैनबसेरा आश्रय स्थलों आदि में ठहरने वाले नागरिकों को ठिठुरन भरी ठंड से राहत दिलाने इलेक्ट्रिक ताप हीटर का वितरण किया। इलेक्ट्रिक हीटर के उपयोग से एक ओर जहाँ लोगों को पर्याप्त गर्मी प्राप्त होगी, ठंड से राहत मिलेगी, तो वहीं दूसरी ओर ठंड से बचने हेतु जलाए जाने वाले कोयला लकड़ी से उत्पन्न धुएं व प्रदूषण से मुक्ति भी मिलेगी। रैनबसेरा में इलेक्ट्रिक हीटर प्रदान करने के दौरान वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, एम.आई.सी.सदस्य अजय गोंड़ व ममता यादव, कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह, राहुल मिश्रा, विपिन मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा एक सराहनीय व अभिनव पहल करते हुए लगातार बढ़ रही ठिठुरन भरी ठंड से राहत दिलाने हेतु बिजली से चलने वाले तथा सुरक्षित रूप से पर्याप्त गर्मी उत्पन्न करने वाले इलेक्ट्रिक ताप हीटर शहर में स्थित रैनबसेरा आश्रय स्थल, वृद्धाश्रम, बस स्टैण्ड, प्रमुख चैक-चैराहों पर लगाए जा रहे हैं। महापौर संजूदेवी राजपूत ने निगम की इस अभिनव पहल का शुभारंभ करते हुए जिला चिकित्सालय मेडिकल कालेज कोरबा परिसर में स्थित रैनबसेरा पहुंची तथा इलेक्ट्रिक ताप हीटर प्रदान किया। उन्होने पुरूष कक्ष एवं महिला कक्ष के लिए पृथक-पृथक 02 नग इलेक्ट्रिक हीटर उपलब्ध कराया तथा रैनबसेरा में उपस्थित लोगों से उनका हालचाल व कुशलश्रेम पूछा।

# राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टियों में मंथन शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राज्य सभा चुनाव को लेकर अब राजनीतिक दलों में मंथन शुरू हो गया है। देश के कई ख्यातिनाम राजनेताओं की तकदीर का फैसला होगा। वहीं छग में राज्य सभा सांसद केटीएस तुलसी एवं रंजीत रंजन का भी कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। छग में भाजपा का बहुमत है। जिसके चलते अब कई नेता राज्यसभा में जाने के लिए प्रयासरत है।

जानकारी के अनुसार 2025-26 में राज्य सभा के कई सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जिन राज्यों में राज्यसभा के चुनाव होने वाले है वे है बिहार, महाराष्ट्र, छग तथा पंजाब। महाराष्ट्र के राज्यसभा सदस्य शरद पवार एवं उपाध्यक्ष पीके हरिवंश का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अरविंद केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा में जाने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार में इस समय भाजपा का बहुमत है। यहां फिल्म स्टार पवन सिंह सहित अन्य नेता राज्य सभा में जाने की कोशिश करेंगे।

छग में भाजपा का बहुमत है। कांग्रेस के कुल 34 विधायक है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार अभी हाईकमान से कोई निर्देश नहीं आया है। एक आनुपातिक सदस्य का निर्वाचन हो सकता है। भाजपा का बहुमत है इसके चलते भाजपा आरएसएस समर्पित प्रत्याशी दे सकती है। कांग्रेस शासन काल में बिहार और पंजाब के प्रतिनिधियों को राज्य सभा में स्थान दिया गया था।

छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जब हाईकमान से निर्देश आएगा तब यहां पर कार्रवाई शुरू होगी। वहीं भाजपा प्रवक्ता हेमंत पाणीग्रही ने कहा कि कई महत्वाकांक्षी राजनेता राज्यसभा में जाने के लिए आतुर है।

### हर माह 7 तारीख को मनाया जाएगा 'आवास दिवस'

# सुशासन सप्ताह में 2100 परिवारों का पीएम आवासों में गृहप्रवेश

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** सुशासन सप्ताह के अवसर पर जिले में 01 नवम्बर के बाद पूर्ण हुए 2100 से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन आवासों में एक साथ गृह प्रवेश कराया गया। इस सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम से ग्रामीण अंचलों में उत्सव जैसा माहौल रहा। हितग्राहियों ने अपने नए घरों को दीपों और रंगोलियों से सजाकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधिवत गृह प्रवेश किया। गृह प्रवेश कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही जिसने हितग्राहियों का उत्साह और बढ़ाया। जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को नए आवास में प्रवेश की शुभकामनाएं दीं। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार प्रधानमंत्री आवास

योजना-ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन के तहत स्वीकृत आवासों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण कराने और ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने निर्देश और सीईओ जिला पंचायत श्री अजय कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

इन निर्देशों के तहत अब जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में हर माह की 7 तारीख को 'आवास दिवस' का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। यह आयोजन चावल महोत्सव एवं महात्मा गांधी नरेगा के रोजगार दिवस के साथ संयुक्त रूप से होगा, जिससे अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

आवास दिवस के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर हितग्राहियों की सूची का सार्वजनिक वाचन, 90 दिवस अथवा निर्धारित समय से पूर्व आवास पूर्ण करने वाले हितग्राहियों का सम्मान, लंबित किश्तों का त्वरित भुगतान, मनरेगा मजदूरी की समीक्षा तथा आवास निर्माण में आ रही समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही निर्माण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही भी की जाएगी। निर्देशों में पंचायत पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को योजना के प्रावधानों की जानकारी हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा विभिन्न विभागों के साथ अभिसरण की संभावनाओं पर चर्चा करने के निर्देश दिए गए हैं।

### 80 प्रतिशत दिव्यांग महेश टंडन ने आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाए कदम

**महासमुंद।** जिले के विकासखण्ड पिथौरा अंतर्गग्राम पंडरीखार निवासी महेश राम टंडन 45 वर्ष की आयु में 80 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग हैं। दिव्यांगता के कारण उन्हें कहीं भी नियमित काम नहीं मिल पा रहा था, जिससे परिवार के भरण-पोषण में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। सीमित साधनों और आवागमन की समस्या के कारण उनकी आजीविका के विकल्प भी बहुत कम थे।

महेश बताते हैं कि ऐसे समय में समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें मोटराईज्ड ट्रायसायकल प्रदान की गई। यह साधन उनके जीवन में बदलाव का माध्यम बना। मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिलने के बाद उनके लिए आने-जाने की समस्या काफी हद तक समाप्त हो गई। अब वे आसानी से बाजार जाकर किराना सामान ला सकते हैं और अपने घर पर ही छोटी दुकान के रूप में बिक्री करने लगे हैं। इससे उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि हुई है। नियमित आय होने से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है। आज महेश अपने परिवार का भरण-पोषण सम्मानपूर्वक कर रहे हैं।

# धुरंधर के निर्देशक की पत्नी यामी गौतम ने किए खुलासे, कहा- शादी का कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था, खुद किया मेकअप

फिल्ममेकर आदित्य धर 'धुरंधर' की कामयाबी से खुश हैं। इसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और आर माधवन ने अहम किरदार निभाया है। हाल ही में आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने अपनी शादी के बारे में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनका रिश्ता बिना किसी फिल्मी ड्रामे के बेहतर बना।

ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बातचीत में यामी गौतम ने बताया कि उनका रिश्ता फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' के वक्त बेहतर हुआ। उन्होंने कहा 'ऐसा कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था कि वह कहें कि हम आपको प्रपोज करने जा रहे हैं। मुझे आदित्य धर की सादगी पसंद आई। मुझे बस ये पता था कि हम शादी करने जा रहे हैं।

### किस तरह की शादी चाहती थीं यामी?

'मैं चाहती थी कि मेरी शादी इस तरह से हो कि कुछ परिवार के लोग हों। हर किसी का आशीर्वाद हो और हमारे आस-पास प्राकृतिक वातावरण हो। मैं चाहती थी कि जहां शादी हो वहां बैकग्राउंड में ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ हों, पहाड़ियां हों।'

### यामी ने किया खुद का मेकअप

यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने अपनी शादी को इतना आसान बनाया कि उन्होंने खुद का मेकअप किया। उन्होंने कहा 'मैंने अपना मेकअप खुद किया। मुझे लगा कि यह बहुत मुश्किल है, लेकिन यह काम आसान था। सुरीली ने मेरे बाल बनाए।' अली फजल ने दिखाई फिल्म 'मिर्जापुर' की शूटिंग की झलक, राजस्थान के लोगों से कही ये बात

### यामी ने की आदित्य धर की तारीफ

आदित्य धर की तारीफकरते हुए यामी गौतम ने कहा 'वह ऐसे आदमी हैं जो आज के दौर में मिलना मुश्किल है। मैं जब 'आर्टिकल 370' का प्रमोशन कर रही थी, तब प्रेग्नेंट थी। उस वक्त आदित्य धर यह पक्का करना चाहते थे कि मैं कम्फर्टेबल रहूं। इसलिए उन्होंने मुझे एक तकिया दिया।' यामी गौतम ने आगे बताया कि जब वह 'उरी' के सेट पर जमीन पर बैठकर खाना खा रही थीं, तब उन्होंने अपनी डायरेक्टर की कुर्सी ऑफर की।

# बीते साल की उपलब्धियों पर अलाया को है गर्व, सोशल मीडिया पर लिखी दिल की बात

ये साल अब अंतिम पड़ाव पर है और जैसे-जैसे नया साल करीब आ रहा है, लोगों के मन में भी सवाल आने लगते हैं कि इस साल हमने क्या हासिल किया, क्या खोया और भविष्य के लिए क्या सीखा। इसी कड़ी में अभिनेत्री अलाया फर्नीचरवाला ने एक पोस्ट के जरिए अपनी दिल की बात शेयर की। उन्होंने इस साल को मेहनत, हिम्मत और निरंतर आगे बढ़ने का साल करार दिया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की। इस वीडियो में वे कई तरह की एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। कभी वह जिम में पसीना बहाते हुए तरह-तरह के व्यायाम कर रही हैं, तो कभी योगासन से लेकर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक। वीडियो में उनकी फिट बॉडी और दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा है। पोस्ट कर अलाया ने लिखा, 2025 मेहनत, हिम्मत और आगे बढ़ने का साल था। पीछे मुड़कर देखती हूं तो इस साल मैंने जो हासिल किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।

अभिनेत्री की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं, और अलाया ने कमेंट्स में लिखा कि अलाया की मेहनत वाकई प्रेरणा देने वाली है।

अलाया भी बाकी अभिनेत्रियों की तरह अपनी फिटनेस और हेल्दी डाइट पर फोकस करती रहती हैं। वे नियमित रूप से योग, पिलाटेस, डांस और वेट ट्रेनिंग करती हैं।

अभिनेत्री ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया है। वे अभिनेत्री पूजा बेदी की बेटी हैं। अलाया ने साल 2020 में आई फिल्म जवानी जानेमन में सैफ अली खान के साथ अपना डेब्यू बी-टाउन में किया था। जवानी जानेमन फिल्म में अलाया सैफ और तब्बू की बेटी के किरदार में नजर आई थीं। इसके बाद अभिनेत्री ने फ्रेडी और श्रीकांत जैसी फिल्मों में काम किया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवार्ड मिल चुका है।

अभिनेत्री ने न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग में डिप्लोमा किया है और वह एक प्रशिक्षित नृत्यांगना भी हैं।

# ऑनलाइन खरीदारी करते समय न करें ये 5 गलतियां, खरीदारी होगी सही

**ऑनलाइन खरीदारी ने कपड़े खरीदने के तरीके को बहुत आसान और सुविधाजनक बना दिया है। हालांकि, इससे जुड़ी कुछ गलतियां आपके अनुभव को खराब कर सकती हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो ऑनलाइन कपड़े खरीदते समय अक्सर लोग कर देते हैं और इससे उन्हें पछताना पड़ता है। इन गलतियों को जानकर आप अपने ऑनलाइन खरीदारी के अनुभव को बेहतर बना सकते हैं।**

### आकार और फिटिंग पर ध्यान न देना

ऑनलाइन खरीदारी करते समय अक्सर लोग आकार और फिटिंग पर ध्यान नहीं देते। इससे क्या होता है कि कपड़ा आपके शरीर पर अच्छे से नहीं आता और आपको निराशा होती है। हमेशा माप के अनुसार ही कपड़े चुनें और साइज चार्ट देखें। इसके अलावा अगर कोई खास डिजाइन हो तो उसकी फिटिंग का भी ध्यान रखें ताकि वह आपके शरीर पर अच्छे से जचे।

### रिव्यू पढ़ने में लापरवाही

कपड़े खरीदते समय उनके रिव्यू पढ़ना बहुत जरूरी है। कई बार लोग बिना रिव्यू पढ़े ही खरीदारी कर लेते हैं और बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। रिव्यू से आपको यह पता चलता है कि अन्य ग्राहकों का अनुभव कैसा रहा और क्या उत्पाद वास्तव में वैसा ही है जैसा कि दिखाया गया था। इससे आप सही निर्णय ले सकते हैं और अपनी खरीदारी को बेहतर बना सकते हैं।

### कपड़े की जानकारी न होना

कई बार लोग कपड़े खरीदते समय उनकी सामग्री यानी कपड़े की जानकारी नहीं लेते। इससे क्या होता है कि कपड़े जल्दी खराब हो जाते हैं या उनमें खिचाव आ जाता है। इसलिए हमेशा कपड़े की सामग्री की जानकारी जरूर लें। इससे आपको यह पता चलेगा कि कपड़ा कितना टिकाऊ है और उसे कैसे धोना चाहिए। इसके अलावा यह भी पता चलेगा कि क्या वह मौसम के अनुकूल है या नहीं।

### खरीदारी से पहले तुलना न करना

ऑनलाइन खरीदारी करते समय अक्सर लोग एक ही वेबसाइट पर निर्भर रह जाते हैं और दूसरी वेबसाइट पर नजर नहीं डालते। इससे क्या होता है कि उन्हें बेहतर सौदे या ऑफर नहीं मिल पाते। इसलिए हमेशा खरीदारी करने से पहले अलग-अलग वेबसाइट्स पर नजर डालें और सबसे अच्छे दाम वाले उत्पाद का चयन करें। इससे आपको सबसे अच्छी डील मिलेगी और आपकी खरीदारी भी बेहतर होगी।

### वापस करने की नीति न जानना

ऑनलाइन खरीदारी करते समय वापस करने की नीति जानना बहुत जरूरी है। कई बार ऐसा होता है कि खरीदा हुआ उत्पाद सही नहीं निकलता या उसकी गुणवत्ता उम्मीद के मुताबिक नहीं होती। ऐसे में अगर आपको उसे वापस करने की सुविधा नहीं मिलती तो आपका पैसा और समय दोनों बर्बाद हो जाते हैं। इसलिए हमेशा किसी भी उत्पाद को खरीदने से पहले उसकी वापस करने की नीति जरूर पढ़ें ताकि आपकी खरीदारी सुरक्षित रहे।

# रिलीज हुआ हनी सिंह का नया गाना आदत, वाणी कपूर के साथ सिंगर ने किया शानदार डांस

**सिंगर हनी सिंह अपने बेहतरीन गानों के लिए जाने जाते हैं। इस बार वह बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर और एपी ढिल्लों के साथ गाना आदत लेकर आए हैं। 3 मिनट 42 सेकंड के वीडियो में हनी सिंह गाना गा रहे हैं और वाणी कपूर के साथ डांस भी कर रहे हैं। यह गाना एल्बम 51 ग्लोरियस डेज के तहत आया है।**

गाने में देखा जा सकता है कि वाणी कपूर ने कई बेहतरीन आउटफिट में डांस किया है। गाने में वह कभी एपी ढिल्लों के साथ डांस कर रही हैं तो कभी हनी सिंह के साथ डांस कर रही हैं। गाने में समुद्र, स्विमिंग पूल, घोड़े के अस्तबल और शानदार घर नजर आए हैं।

आदत के लिरिक्स हनी सिंह, एपी ढिल्लों और शिंदा कहलों ने लिखे हैं। विनोद वर्मा ने इस गाने को म्यूजिक दिया है। गाने के वीडियो के निर्देशक मिहिर गुलाटी हैं। इसे इंस्टाग्राम के अलावा यूट्यूब पर भी देखा जा सकता है। लगभग तीन घंटे में इस गाने को यूट्यूब पर 7 लाख 81 हजार व्यूज मिल चुके हैं।

वाणी कपूर ने साल 2017 में रिलीज हुए गाने मैं यार मनाना नी में शानदार डांस किया था। आखिरी बार उन्हें बॉलीवुड की फिल्म रैड 2 में देखा गया था। वह फिल्म अबीर गुलाल में भी नजर आईं, हालांकि यह फिल्म भारत में रिलीज नहीं हुई थी। जल्द ही वह फिल्म बदतमीज गिल का हिस्सा होंगी।

# प्रतीक बब्बर के साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार रहा : प्रिया बनर्जी

**पॉपुलर वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे और अंतिम सीजन में एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी ने अपने पति प्रतीक बब्बर के साथ स्पेशल कैमियो किया है। यह शादी के बाद कपल का पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। प्रिया ने कहा, प्रतीक के साथ जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने के बाद स्क्रीन शेयर करना काफी खास लगा। शादी की तस्वीरें वायरल होने के बाद मेकर्स ने इस छोटे कैमियो के लिए उनसे संपर्क किया था। प्रिया ने बताया, प्रतीक चाहता था कि मैं यह प्रोजेक्ट करूं, क्योंकि यह उनके सबसे पसंदीदा शो में से एक है। यह फैसला भी मैंने अचानक से लिया। मैंने सच में यह सिर्फ मजे और उनके साथ उस पल को स्क्रीन पर शेयर करने की खुशी के लिए किया।**

फोर मोर शॉट्स प्लीज का चौथा सीजन हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है, जो सीरीज का फाइनल सीजन है। इसमें मुख्य किरदारों के साथ प्रतीक अहम भूमिका में हैं, जबकि प्रिया का कैमियो दर्शकों के लिए सरप्राइज है।

यह सीरीज चार महिलाओं की जिंदगी, दोस्ती, प्यार और चुनौतियों पर आधारित है।

प्रिया इससे पहले भी प्रतीक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी साल अक्टूबर में प्रतीक और प्रिया ने एक फैशन इवेंट में शानदार सफेद आउटफिट्स में साथ रैंप वॉक किया था। जब उनसे पूछा गया कि पत्नी के साथ या किसी दूसरी एक्ट्रेस के साथ रैंप वॉक ज्यादा मजेदार लगता है, तो प्रतीक ने  से बात करते हुए बताया था कि प्रिया के साथ रैंप पर चलना उन्हें आत्मविश्वास के साथ खुशी भी देता है, जो किसी और के साथ नहीं मिलती।

प्रिया और प्रतीक ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में घर पर शादी की थी। कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कर प्रशंसकों को जानकारी दी थी।

## खास खबर

### एनसीसी कैडेट्स को ट्रैफिक रूल्स से कराया अवगत

**कोरबा।** एनसीसी सीजी बटालियन-1 का विशेष कैंप कोरबा के सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल सीएसईबी में जारी है। विभिन्न इकाईयों के कैडेट इस शिविर में नेशनल कैडेट कोर से संबंधित जानकारी और व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कोरबा ट्रैफिक पुलिस ने शेड्यूल के अंतर्गत इस शिविर में भागीदारी करते हुए कैडेट्स को ट्रैफिक रूल्स से अवगत कराया। ट्रैफिक डीएसपी डीके सिंह और निरीक्षक तेजस यादव के मार्गदर्शन में मैदानी अमले के द्वारा शिविर में कैडेट्स से संवाद किया गया। इस बात पर खुशी जताई गई कि अनुशासन के साथ-साथ राष्ट्रीय सरोकारों और नागरिक कर्तव्यों के मामले में एनसीसी एक जिम्मेदार भूमिका निभा रहा है। इससे राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करने में सहायता हो रही है और विधिवत प्रशिक्षण के साथ तैयार होने वाले कैडेट विस्तृत क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ट्रैफिक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर मनोज राठौर के द्वारा कैडेट्स से संवाद करते हुए यातायात नियमों के महत्व और उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि सडकों पर पैदल चलें या गाड़ी से, इस दौरान हम सभी को नियम पालन के मामले में जागरूक होना चाहिए।

### 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारी-अधिकारियों की हड़ताल 29 से

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के कर्मचारी-अधिकारी तीन दिनों तक हड़ताल पर रहेंगे। 29 से 31 दिसंबर को प्रस्तावित काम बंद-कलम बंद आंदोलन को सफल बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के तत्वावधान में नवा रायपुर फेडरेशन द्वारा सभी विभागों में टेबल-टू-टेबल लगातार संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर आयोजित इस आंदोलन के तहत जिला शाखा नवा रायपुर द्वारा कर्मचारियों एवं अधिकारियों से प्रत्यक्ष संपर्क किया गया। इस दौरान प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने आंदोलन की तैयारियों की जानकारी लेते हुए कर्मचारियों एवं अधिकारियों को रणनीति एवं कार्ययोजना से अवगत कराया तथा एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की। संपर्क अभियान में उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने आंदोलन को सफल बनाने हेतु अपनी सहमति व्यक्त की तथा 29, 30 एवं 31 दिसंबर 2025 को नवा रायपुर स्थित समस्त शासकीय कार्यालयों में हड़ताल को सफल बनाने का भरोसा दिलाया।

### आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में बढ़ा सुविधाओं का दायरा

**रायपुर ।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राजनांदगांव ने जानकारी देते हुए कहा है कि नगर निगम क्षेत्र के शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आम जनता को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विभाग के अनुसार, नगर निगम के 51 वार्डों में सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं देने के उद्देश्य से इन केंद्रों की स्थापना की गई है, जहाँ आवश्यक अधोसंरचना का निर्माण कर निरंतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं । पूर्व में संचालित केंद्रों में जहाँ केवल एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता तैनात होती थी, वहीं अब सेटअप में वृद्धि कर उच्च योग्यताधारी मेडिकल ऑफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ स्टाफ नर्स और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती की गई है, जिससे ओ.पी.डी. की संख्या में भी निरंतर बढ़ोतरी हो रही है।

# छत्तीसगढ़ के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की विचारधारा पर आगे बढ़ रहा प्रदेश - विजय शर्मा

## उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बोड़ला में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में नवनिर्मित अटल परिसर का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती पर 25 दिसम्बर को राज्य के 115 शहरों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी बोड़ला से वर्चुअली इस कार्यक्रम में जुड़े। कबीरधाम जिले के नगर पंचायत बोड़ला में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की नवनिर्मित अटल परिसर का लोकार्पण किया।

उन्होंने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल, उपाध्यक्ष लव निर्मलकर, जनपद अध्यक्ष बालका राम किंकर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य राजकुमार मेरावी, अमित वर्मा, डॉ. रूपनाथ मानिकपुरी, संदीप गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर का निर्माण किया गया है, जिसका शुभारंभ आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के करकमलों से किया गया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। उनका छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव था। उन्होंने वर्ष 1998 में रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि हम नए राज्य का निर्माण करेंगे। अटल जी ने अपना यह संकल्प पूरा कर छत्तीसगढ़ को एक अलग पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की। इसके परिणामस्वरूप गाँव-गाँव तक सड़कें पहुँचीं। सड़क निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आवागमन में उल्लेखनीय सुधार हुआ। यह सब अटल जी की दूरदर्शी सोच और विकासशील दृष्टिकोण का परिणाम था। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि किसानों को साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की। इस योजना से किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध हुआ और उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता मिली। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में यदि किसी ने ठोस और ऐतिहासिक कार्य किया, तो वह श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ही थे। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्तमान सरकार भी अटल विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपए सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अटल परिसर आने वाली पीढ़ियों को अटल जी के विचारों, उनके योगदान और उनके द्वारा दिखाए गए विकास के मार्ग की निरंतर याद दिलाता रहेगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम बोड़ला नगर के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रही है। नगर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से लेकर जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तक, हर क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। इसके सकारात्मक परिणाम आज बोड़ला के विकास में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

# पीएम-जनमन से बदली पीव्हीटीजी हो अंचलों की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजातिय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित प्रधानमंत्री जनमन योजना का राज्य में हो रहे प्रभावी क्रियान्वयन से निर्धारित लक्ष्य तीव्र गति से हासिल हो रहे हैं। सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में यह योजना उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के मंत्र को साकार करने विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के विकास हेतु तैयार की गई पीएम-जनमन योजना को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में सुनियोजित कार्ययोजना के साथ लागू किया जा रहा है, जिसके उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। यह योजना विशेष रूप से विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सड़क और दूरसंचार जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। जशपुर जिला राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के अंतर्गत टारगेट आबादी की 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाला देश का पहला जिला बन गया है। इसके साथ ही सभी पी.व्ही.टीजी. वर्ग की गर्भवती महिलाओं की सिकल सेल एनीमिया जांच भी पूर्ण कर ली गई है। पीएम-जनमन की शुरुआत में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय की 11,762 गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित था, जिसे विशेष शिविरों के माध्यम से शत-प्रतिशत हासिल किया गया। यह उपलब्धि जिले के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रतिबद्धता और कार्यकुशलता का प्रमाण है।

पहाड़ी एवं दुर्गम पी.व्ही.टीजी. क्षेत्रों में स्वच्छ जल पहुंचाना बड़ी चुनौती थी। इसे देखते हुए पीएचई विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत मास्टर प्लान तैयार किया गया। जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन से अब तक 7 गांवों में 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष गांवों में कार्य तेजी से संचालित हो रहा है। पहले हैंडपंप पर निर्भर ग्रामीणों को अब नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो पा रहा है, उसे जलजनित बीमारियों से प्रभावी बचाव संभव हुआ है

सन्ना स्थित पी.व्ही.टीजी. वनधन केन्द्र में पीएम-जनमन योजना अंतर्गत फॉक्सटेल बाजरा को चावल में प्रोसेस करने हेतु आधुनिक मशीन स्थापित की जा रही है। इससे समुदाय को तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा और उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

प्रोसेस किया गया उत्पाद छत्तीसगढ़ स्टेट माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस फेडरेशन के मार्ट एवं संजीवनी के माध्यम से देशभर में विपणन किया जाएगा, जिससे होने वाली आय सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जाएगी।

# राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिवस पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व तथा राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव (तेलीबांधा तालाब) में किया गया।

इस छाया चित्र प्रदर्शनी का बड़ी संख्या में लोगों ने अवलोकन किया।

# साइबेरियन डक की आमद से पक्षी प्रेमियों में हर्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रामानुजगंज।** विगत कुछ वर्षों से ठंड के मौसम में कन्हर नदी क्षेत्र रामानुजगंज के लिए एक विशेष आकर्षण बनता जा रहा है। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी साइबेरियन डक का एक जोड़ा नगर क्षेत्र में पहुंचा है। जानकारी के अनुसार लगभग पंद्रह दिन पूर्व यह दुर्लभ प्रवासी पक्षी कनहर नदी के अन्य टट क्षेत्र के समीप देखा गया, जिसके बाद से स्थानीय नागरिकों एवं पक्षी प्रेमियों में विशेष उत्साह का माहौल है।

यह साइबेरियन डक का जोड़ा प्राय: कन्हर नदी के बीचो-बीच स्थित टापू पर, राम मंदिर घाट के सामने, सुबह और शाम के समय दिखाई देता है। शांत वातावरण, स्वच्छ जल और पर्याप्त भोजन की उपलब्धता इस क्षेत्र को इन प्रवासी पक्षियों के लिए अनुकूल बनाती है। बताया जा रहा है कि साइबेरिया जैसे अत्यधिक ठंडे क्षेत्रों से हजारों किलोमीटर की यात्रा तय कर ये पक्षी भारत के अपेक्षाकृत गर्म इलाकों में आते हैं। स्थानीय पक्षी प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों का मानना है कि यह जोड़ा लगातार कई वर्षों से इसी क्षेत्र में आता रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कनहर नदी का पारिस्थितिक संतुलन अभी भी सुरक्षित है। कई लोग दूरबीन और कैमरे लेकर इन पक्षियों को देखने पहुंच रहे हैं, वहीं बच्चे और युवा वर्ग भी इनके बारे में जानने में रुचि दिखा रहे हैं। नगरवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि इन प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि शिकार या किसी प्रकार की अव्यवस्था से इन्हें नुकसान न पहुंचे। साथ ही नदी क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने और अनावश्यक शोर से बचने की भी आवश्यकता बताई गई है। साइबेरियन डक की यह वार्षिक आमद न केवल रामानुजगंज की प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाती है।

# मंत्री राजवाड़े ने भारत रत्न वाजपेयी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती एवं सुशासन दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने निज निवास ग्राम बीरपुर स्थित अटल चौक में अटल जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे और सभी ने अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री राजवाड़े भटगांव नगर पंचायत में अटल परिसर के लोकार्पण कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुई।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय राजनीति में सुशासन, राष्ट्रहित और संवेदनशील नेतृत्व के प्रतीक थे। उन्होंने अपने विचारों, आचरण और कार्यों से यह सिद्ध किया कि राजनीति केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का सशक्त साधन है। अटल जी का संपूर्ण जीवन जनता के विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि शासन की सार्थकता तभी है जब वह पारदर्शी, जवाबदेह और आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो। अटल जी का शासन मॉडल आज भी सभी जनप्रतिनिधियों और प्रशासकों के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर मंत्री राजवाड़े ने ग्रामवासियों के साथ अटल जी के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लेते हुए कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पारदर्शी, संवेदनशील और जनहितकारी सुशासन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

महिला, बच्चों, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए सरकार की योजनाएं अटल जी की विचारधारा को आगे बढ़ा रही हैं।

# निगम के दर्री जोन के 08 वार्डो को मिली 02 करोड़ 42 लाख रु. के विकास कार्यो की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के दर्री जोन के 08 वार्डो को 02 करोड़ 42 लाख रूपये के नये विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में पृथक-पृथक स्थानों में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। उद्योग मंत्री देवांगन ने विकास कार्यो का भूमिपूजन करते हुए शीघ्र कार्य प्रारंभ करने तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य कर समयसीमा में इन कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 48 अंतर्गत इतवारी बाजार में 19 लाख 08 हजार रूपये की लागत से नॉन-वेजीटेबल मार्केट का उन्नयन कार्य, वार्ड क्र. 48 अंतर्गत स्वामी आत्मानंद स्कूल दर्री में 20 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 48 अंतर्गत (कलमीडुग्गू धनवारपारा) में 05 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. छत एवं टाईल्स निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 48 अंतर्गत दर्री कन्वेयर बेल्ट के नीचे मछली मार्केट में 05 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 49 अंतर्गत राजीवनगर में रामनारायण घर से लीला नायक घर तक गौरा चैरा से दुर्गा पण्डाल तक एवं अरखित साहू घर से आर.डी.सिंह घर तक 15 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 51 अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल स्याहीमुड़ी में 20 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 46 अयोध्यापुरी तालाब में जल संवर्धन हेतु 25 लाख रूपये की लागत से पचरी, सी.सी. रोड, गहरीकरण इत्यादि निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 52 अंतर्गत प्रा.शा. अयोध्यापुरी में 16 लाख 95 हजार रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 48 अंतर्गत दर्री कन्वेयर बेल्ट के नीचे मछली मार्केट में 10 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 47 अंतर्गत लारीपारा में स्कूल के पास से मुक्तिधाम तक एवं वार्ड क्र. 51 अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल स्याहीमुड़ी में 10 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 47 जमनीपाली में कबीर सदन के पास 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 प्रा.शा. जमनीपाली में 10 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 अंतर्गत जमनीपाली कैलाश बीज भण्डार से सुराजी दास घर तक 20 लाख रूपये की लागत से नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 अंतर्गत गोपालपुर में 16 लाख 95 हजार रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 कुमगरी में विभिन्न स्थानों में 20 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 बरेड़ीमुड़ा कुमगरी में सेमीपाली बी.टी. रोड में 19 लाख रूपये की लागत से कलवर्ट एवं नाली निर्माण कार्य कराया जाना हैं। कलमीडुग्गू, अयोध्यापुरी व लारीपारा जमनीपाली में पृथक-पृथक आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन कार्यो का भूमिपूजन उद्योग मंत्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत के द्वारा किया गया।

### नहीं टूटेगा जनताजनार्दन का भरोसा

इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा की जनता ने उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन को अपना विधायक चुना, मुझे अपना महापौर चुना, यह उनका हम पर भरोसा था, मैं यकीन दिलाती हूँ कि कोरबा की जनताजनार्दन का यह भरोसा कभी नहीं टूटेगा, उनका विश्वास सदैव कायम रहेगा। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में निगम क्षेत्र में लगातार विकास कार्य जारी है, जो आगे भी जारी रहेंगे।

### पीएम के संकल्प को पूरा करने कार्य कर रही सरकार

इस अवसर पर गोपाल मोदी ने अपने उदबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को सम्पूर्ण विकसित व आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, छत्तीसगढ़ सरकार की उनके इसी संकल्प को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, कोरबा की तरह भी प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक रूप से विकास कार्य हो रहे हैं तथा आमजनता के हित में दर्जनों योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

## खास खबर

### डाक विभाग के चार कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़े गए

**बीजापुर।** नगर में भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गुरुवार रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सीबीआई की टीम ने शहर के ताज होटल में छापा मारकर डाक विभाग से जुड़े चार कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई रात करीब 8.30 बजे की गई, जब सीबीआई ने आरोपियों के पास से 40 हजार रुपये नकद बरामद किए। पकड़े गए कर्मचारियों में पोस्ट ऑफिस सब डिवीजन इंस्पेक्टर शास्त्री कुमार पैंकरा के अलावा मलोत शोभन, अंबेडकर सिंह और संतोष एंड्रिक शामिल हैं। छापेमारी के बाद सीबीआई की टीम चारों आरोपियों को अपने साथ लेकर पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई से डाक विभाग में हड़कंप मच गया है, वहीं शहर में भी मामले को लेकर चर्चा तेज है। सीबीआई द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है और आने वाले समय में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

### खिड़की तोड़ घुसे चोर, 70 हजार नकद व जेवर पार

**कोरबा।** सीएसईबी चौकी क्षेत्र के बरपारा कोहड़िया में सूने मकान की खिड़की तोड़कर चोरों ने नकद समेत जेवरात की चोरी की। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस जुर्म दर्ज कर पतासाजी कर रही है। पुलिस ने बताया कि बरपारा कोहड़िया के बाबाडेरा बस्ती निवासी संजय केंवट घंटाघर चौपाटी में ठेला लगाता है। 18 दिसंबर को वह परिवार के साथ चांपा में परिजन के घर गया था। वहां से घर लौटने पर चोरी का पता चला। घर की अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। पेटी भी गायब थी। इसकी सूचना सीएसईबी चौकी पुलिस में दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। जांच के दौरान मकान से कुछ दूरी पर पेटी मिली। इसमें से 70 हजार नकद समेत सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए गए थे।

### रायपुर में न्यू ईयर के लिए लाई गई अफीम जब्त

**रायपुर।** रायपुर में एन्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डी.डी. नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने अफीम के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा है। जिसकी कीमत 5.50 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपी अफीम को नए साल में खपाने के लिए लाया था। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिलबाग सिंह (55) निवासी पार्थिवी प्रोविन्स सरोना डी.डी. नगर रायपुर के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि, पार्थिवी प्रोविन्स के आगे रोड किनारे एक व्यक्ति अफीम लेकर कहीं जाने की फिराक में है। इस पर पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर बताए हुलिए के आधार पर उसे पकड़ा। तलाशी में आरोपी के पास से 1.075 किलो अफीम मिला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि, दिलबाग सिंह नववर्ष की पार्टियों में अफीम खपाने की योजना बना रहा था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी का किसी बड़े नेटवर्क से संबंध तो नहीं है।

### लापता बुजुर्ग का मिला शव, ठंड से मौत की आशंका

**कोरबा।** कोरबा जिले के कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत वैशाली नगर खम्हरिया निवासी 55 वर्षीय चैतराम यादव का शव कुसमुंडा खदान से लगे बरपाली क्षेत्र में मिला है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग बीते लगभग 10 से 12 दिन से लापता था, परिजन अपने स्तर पर उसकी खोजबीन कर रहे थे,पुलिस में भी सूचना दी गई थी,इस दौरान कुछ लोगों ने बुजुर्ग का शव बीते शनिवार को कुसमुंडा खदान से लगे खोडरी बरपाली से खदान जाने वाले ऊपर रास्ते में देखा। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। विकास नगर स्थित अस्पताल के मर्चुरी में रखवाया गया है। प्रथम दृष्टया ठंड से अकड़ कर मौत होना बताया जा रहा है। वहीं, शव देखने से यह आशंका जताई जा रही है कि बुजुर्ग की मौत हाल में ही हुई है। हालांकि जांच उपरांत मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा।

# ओडिशा में एनकाउंटर : एक करोड़ का इनामी गणेश उइके सहित छह नक्सली ढेर, शाह ने कहा- बड़ी उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** देश में लाल आतंक के खात्मे दिशा में एक और कदम बढ़ा है। छत्तीसगढ़ के बाद अब ओड़िशा में भी माओवादियों पर सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी है। इस बीच गुरुवार को ओड़िशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके सहित छह नक्सली ढेर हो गए। यह मुठभेड़ जिले के चकापाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घने जंगलों में हुई। इस सफलता पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे बड़ी उपलब्धि बताया।

ओड़िशा में नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। सफल ऑपरेशन में गणेश उइके के अलावा पांच अन्य नक्सली भी मारे गए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल अन्य नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है। मुठभेड़ में ढेर गणेश उइके (69) सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और ओडिशा में इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था। गणेश उइके पर प्रशासन ने 1 करोड़ 10 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला उइके, पक्का हनुमंतु और राजेश तिवारी जैसे कई नामों से भी जाना जाता था। उइके लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों मे शामिल था। इलाके में अभी भी तलाश अभियान जारी है।

### ओडिशा नक्सल मुक्त होने के कगार पर

सुरक्षा बलों की सफलता पर गृह मंत्री अमित शाह की ओर से एक्स पर पोस्ट कर इस अभियान की भरपूर सराहना की। उन्होंने लिखा कि 'नक्सल मुक्त भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि। ओडिशा के कंढमाल में चलाए गए एक बड़े अभियान में केंद्रीय समिति के सदस्य गणेश उइके समेत छह नक्सलियों को मार गिराया गया है। इस बड़ी सफलता के साथ, ओडिशा नक्सलवाद से पूर्णत: मुक्त होने के कगार पर है।

### नक्सली गणेश उइके का न्यूट्रलाइजेशन नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार : सीएम साय

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ओडिशा के कंधमाल-गंजाम सीमावर्ती वन क्षेत्रों में संचालित संयुक्त सुरक्षा अभियान में सीपीआई (माओवादी) संगठन के शीर्ष नेतृत्व में शामिल गणेश उइके के न्यूट्रलाइज किए जाने को नक्सलवाद के विरुद्ध चल रही निर्णायक लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई नक्सल तंत्र की रीढ़ पर सीधा प्रहार है तथा स्पष्ट संदेश है कि अब नक्सल हिंसा के लिए देश में कहीं भी सुरक्षित ठिकाना शेष नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में यह एक ठोस और निर्णायक कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में देश नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन की ओर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। एक-भारत श्रेष्ठ-भारत की भावना के साथ केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति एवं विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अभियान में शामिल सभी सुरक्षा बलों के जवानों और अधिकारियों के अदम्य साहस, पराक्रम और पेशेवर दक्षता को नमन किया तथा उनके उत्कृष्ट मनोबल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार का संदेश बिल्कुल स्पष्ट है- हिंसा का रास्ता छोड़िए, मुख्यधारा से जुड़िए; अन्यथा कानून अपना कार्य करेगा।

उन्होंने कहा कि शांति, विकास और विश्वास ही नए भारत की पहचान है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के नए अवसर निरंतर सृजित किए जा रहे हैं। साथ ही हिंसा के मार्ग पर भटके युवाओं के पुनर्वास और मुख्यधारा में सम्मानजनक वापसी के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जनता-जनार्दन के सहयोग, सुरक्षा बलों के साहस तथा स्पष्ट नीतिगत प्रतिबद्धता के बल पर नक्सल-मुक्त भारत का संकल्प शीघ्र ही पूर्णत: साकार होगा।

## दो ट्रैलर की भिंड़त में एक की मौत, केबिन में फंसे चालक को मुश्किल से बाहर निकाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायगढ़।** छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला में दो ट्रैलर के बीच जबरदस्त भिंड़त हो गई। इस दुर्घटना में एक ट्रैलर चालक की मौके पर मौत हो गई। घटना में मृतक चालक बुरी तरह केबिन में फंस गया। जिसे किसी तरह जेसीबी से बाहर निकाला गया। घटना खरसिया थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरूवार की रात तकरीबन साढ़े 9 बजे रानीसागर के पास चौढ़ा की ओर से आ रही तेज रफ्तार ट्रैलर के चालक ने सामने से आ रही ट्रैलर वाहन को जबरदस्त टक्कर मार दिया। इससे ट्रैलर के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रैलर चालक औरंगाबाद बिहार का रहने वाला मोदेश मिस्त्री 31 साल केबिन में बुरी तरह फंस गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की मौके पर काफी भीड़ इक्ट्ठा हो गई। मामले की सूचना पुलिस को देने पर डायल 112 और पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे। इसके बाद केबिन में फंसे चालक को निकालने का प्रयास किया गया। जहां जेसीबी की मदद से किसी तरह मृतक मोदेश को बाहर निकाला गया। इसके बाद शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए उसे सिविल अस्पताल खरसिया ले जाया गया। बताया जा रहा है कि यह ट्रैलर चालक इस हादसे से पहले ग्राम देहजरी रोड पर एक पैदल ग्रामीण को ठोकर मार कर भाग रहा था। फिलहाल मामले में पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

## नारायणपुर में जवान ने सर्विस-राइफल से खुद को गोली मारी : कनपटी को चीरते हुए निकली बुलेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

**नारायणपुर।** छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में जिला बल के जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अस्पताल ले जाने से पहले ही जवान की मौत हो गई है। गोली जवान के सिर के दाहिने हिस्से (कनपटी) में लगी। सुसाइड का कारण अज्ञात है। मामला कोहकमेटा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक जवान की पहचान कांकेर निवासी पिंगल जूरी के रूप में हुई है। वह कोड़नार कैंप में आरक्षक के पद पर पदस्थ था। 25 दिसंबर की सुबह कैंप में ही ड्यूटी के दौरान उसने सर्विस राइफल से खुद को शूट कर लिया।

गोली की आवाज सुनते ही साथी जवान मौके पर पहुंचे। जिन्होंने घायल जवान को अस्पताल लाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी। बता दें कि 7 दिन पहले भी नारायणपुर में पदस्थ यूपी के बीएसएफ जवान ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया था। कोड़नार कैंप हाल ही में 19 दिसंबर को स्थापित किया गया था। शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। जवान के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। नारायणपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोड़नार कैंप हाल ही में 19 दिसंबर को स्थापित किया गया था। ताकि अबूझमाड़ के अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा और विकास को मजबूती दी जा सके।

नारायणपुर जिले में सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ के जवान ने 7 दिन पहले सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड करने का कारण अज्ञात है। जवान उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। घटना सोनपुर थाना क्षेत्र की है।

## रायगढ़ में 25 क्विंटल अवैध धान जब्त, पिकअप से परिवहन कर मंडी में खपाने की थी तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायगढ़।** रायगढ़ जिले में अवैध धान परिवहन का मामला सामने आया है। लैलूंगा थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुरुवार रात गश्त के दौरान 25 क्विंटल धान से लदे एक पिकअप को जब्त किया है। जांच के दौरान वाहन ड्राइवर और सह-यात्री के पास धान से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए।

जिसके बाद पुलिस ने धान और वाहन दोनों को जब्त कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात लैलूंगा पुलिस गश्त पर थी। इसी दौरान थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि कुपापानी की ओर से अवैध रूप से धान का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और कुपापानी से पाकरगांव के बीच नाकेबंदी कर जांच शुरू की। जांच के दौरान एक पिकअप को रोका गया, जिसमें कुल 25 क्विंटल धान लदा हुआ पाया गया। वाहन में सवार लोगों की पहचान तरुण सिदार (21) निवासी ग्राम सुस्डेगा मुड़ापारा जिला जशपुर और हेमंत सिदार (29) निवासी ग्राम केरजू जिला सरगुजा के रूप में हुई।

पुलिस की तरफ से धान से संबंधित दस्तावेज मांगे जाने पर दोनों आरोपी टालमटोल करते रहे और कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने धान से लदे पिकअप को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कर दिया।

पुलिस ने मामले की जानकारी लैलूंगा मंडी सचिव को दे दी है। बताया जा रहा है कि अन्य जिलों की सीमा से सटे होने के कारण लैलूंगा क्षेत्र में पहले भी अवैध धान परिवहन के मामले सामने आ चुके हैं। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

## कोरबा जेल में कैदी सुविधाओं की हुई गहन समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने एवं बंदियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से संतोष शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में जिला जेल कोरबा का सघन निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में निरूद्ध कैदियों की स्थिति, उन्हें उपलब्ध करायी जा रही मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से दी जा रही सेवाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण के दौरान बोर्ड सदस्यों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का बारीकी से अवलोकन किया। उसमें कौदियों के बैरक, रसोईघर, स्वास्थ्य केन्द्र, स्वच्छता व्यवस्था तथा अन्य सामान्य उपयोग के स्थान शामिल रहे। अधिकारियों ने कौदियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उसी समस्याओं आवश्यकताओं एवं दैनिक दिनचर्या की जानकारी प्राप्त की। भोजन की गुणवत्ता, पोषण मानकों, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, दवाईयों एवं चिकित्सकों की उपस्थिति, शिक्षा कर्यक्रमों जैसी गतिविधियों का भी आकलन किया गया। जेल लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली की भी जांच की गयी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कैदियों को समय पर और सरल रूप से कानूनी सहायता प्राप्त हो रही है। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश संतोष शर्मा के अध्यक्षता में जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि कैदियों के लिए स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित स्वास्थय परीक्षण एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित की जाए। वहीं निरीक्षण के दौरान 17 महिला एवं 189 पुरूष बंदी जेल में रहे।

इस संयुक्त निरीक्षण में मयुरा गुप्ता, कु. त्रासिकु. ग्रेसी - न्यायिक मजिस्टेट, प्रथम श्रेणी, ओमप्रकाष यादव- अपर कलेक्टर कोरबा, नीतिष सिह ठाकुर- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विजय लक्ष्मी- लोक निर्माण विभाग, सी.के. सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, विनय कुमार उद्योग अधिकारी, मुकेष कुमार वेलफेयर अधिकारी एवं समाज कल्याण विभाग से उपसंचालक हरीश सक्सेना उपस्थित रहे।

# बैगा ने झाड़फूंक के बहाने नाबालिग से किया रेप

### दुर्ग में नींबू फेंकने नर्सरी साथ ले गया, जान से मारने की धमकी देकर किया वारदात

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग-भिलाई।** दुर्ग जिले में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। जहां बेटी के बीमार होने पर मां ने बेमेतरा जिले के एक बैगा को झाड़ फूंक के लिए बुलाया। 22 दिसंबर को बैगा घर पहुंचा और नाबालिग की स्थिति देखकर बाहरी हवा का साया बताया फिर झाड़-फूंक का नाटक करने लगा। इसके बाद नींबू फेंकने का बहाने अपने साथ घर से दूर ले गया।

मामला नंदिनी नगर थाना क्षेत्र का है। आरोपी बैगा परमेश्वर बघेल (25 साल) पीड़िता को अपने साथ एक नर्सरी ले गया जहां उसने डरा धमकाकर वारदात को अंजाम दिया। डर से लड़की 2 दिन चुप रही। फिर अपनी मां को पूरी बात बताई। जिसके बाद मां ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बैगा को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, 24 दिसंबर को पीड़िता की मां ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उसकी नाबालिग बेटी की तबीयत खराब थी। इसी दौरान 22 दिसंबर को बेमेतरा जिले के ग्राम परसबोड़ के रहने वाले परमेश्वर बघेल उर्फ बाडू बैगा को इलाज और झाड़फूंक कराने के लिए अपने घर बुलाई थी। आरोपी घर पहुंचा और बेटी की हालत देखते हुए बाहरी हवा का साया बताया। झाड़फूंक करने के बाद नींबू फेंकने का बहाना बनाया और नाबालिग बेटी को अपने साथ घर से कुछ दूरी पर स्थित नर्सरी के भीतर ले गया। वहां आरोपी ने पीड़िता को डरा-धमकाकर उसके साथ रेप किया। आरोपी ने घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे पीड़िता डर के कारण चुप रही।

अपने साथ हुए इस घटनाक्रम को बेटी ने दो दिन के बाद अपनी मां को बताया। इसके बाद परिजनों ने नंदिनी नगर थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट पर अपराध दर्ज करते हुए विवेचना शुरू की। इस मामले में गुरुवार (25 दिसंबर) को आरोपी युवक परमेश्वर का गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी परमेश्वर बघेल उर्फ बाडू बैगा (उम्र 25 वर्ष) निवासी ग्राम परसबोड़, जिला बेमेतरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध करना स्वीकार कर लिया।

पुलिस की जांच में ये पता चला है कि आरोपी पूरे क्षेत्र में अपने आप को बड़ा बैगा बताकर बीमारियां ठीक करने का दावा करता था। लोग इसकी बातों में आसानी से आ जाते थे। इसी का फायदा उठाकर उसने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया है।

### नाम परिवर्तन

मैं श्रीमती प्रीति ठाकुर पति लिलेश कुमार ठाकुर उम्र 26 वर्ष जाति गोंड निवासी वार्ड नं 16 स्टेशन मरोदा भिलाई, जिला दुर्ग छ.ग. मोबाइल नंबर 9109343581 की हूं, जो कि शपथ पूर्वक निम्न कथन प्रस्तुत करती हूं। यह कि मेरी पुत्री योज्ञा ठाकुर के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है, उसका जन्म स्थान चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल भिलाई में दिनांक 22/02/2025 को हुआ है, जिसका पंजीयन नं. बी - 202522910750000 189 जारी दिनांक 24/03/2025 है। यह कि मेरी पुत्री के उपरोक्त प्रदत्त जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का नाम योज्ञा ठाकुर ( YOGYA THAKUR ) दर्ज है। जिसे परिवर्तन कर मैं अपने पुत्री का नाम योगिता ठाकुर ( YOGITA THAKUR ) उपरोक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज करवाना चाहती हूं। जिस बाबत यह शपथ पत्र प्रस्तुत करती हूं।

शपथकर्ती
प्रीति ठाकुर

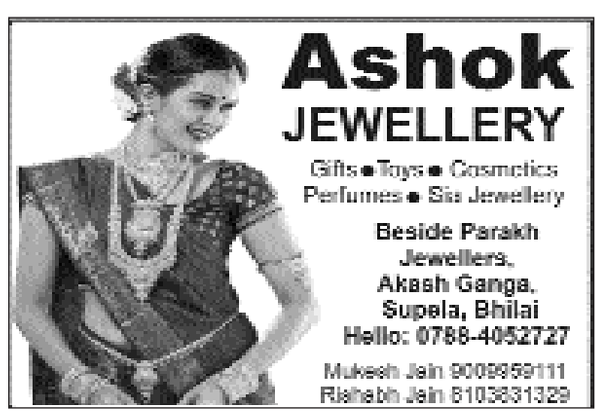

# मुख्यमंत्री साय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 115 शहरों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया

## गांव-गांव को बारहमासी सड़कों से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य अटलजी ने किया : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- जन्म शताब्दी वर्ष में सभी नगरीय निकायों में अटल परिसरों का निर्माण – अटलजी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने का संकल्प
- मुख्यमंत्री द्वारा 187 करोड़ रुपये के 23 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर राज्य के 115 नगरीय निकायों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। उन्होंने राजधानी रायपुर में अटल एक्सप्रेस-वे के फुंडहर चौक पर स्थापित अटलजी की प्रतिमा का अनावरण तथा अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों से वर्चुअल रूप से जुड़कर अन्य 114 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब कार्यक्रम में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने फुंडहर खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत 186 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत 23 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 185 करोड़ 49 लाख रुपये के 17 कार्यों का भूमिपूजन तथा एक करोड़ 49 लाख रुपये के 6 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रकाशित अटल परिसरों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के पाँच हितग्राहियों को भवन निर्माण अनुज्ञा-पत्र एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत पाँच महिला हितग्राहियों को 50-50 हजार रुपये के चेक वितरण किए गए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में अटलजी की 101वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित नागरिकों को सुशासन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासी आज अटलजी को कृतज्ञतापूर्वक नमन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटलजी तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे, वे अजातशत्रु, प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि एवं श्रेष्ठ साहित्यकार थे। विरोधी दल भी उनके भाषणों को सुनने के लिए उत्सुक रहते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से अटलजी ने गांव-गांव तक पक्की सड़कों का जाल बिछाया और बारहमासी सड़कों से ग्रामीण भारत को जोड़ा, जिससे छह लाख से अधिक गांवों में विकास के द्वार खुले। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को सुलभ कृषि ऋण उपलब्ध कराया गया, जिसका लाभ आज करोड़ों किसान उठा रहे हैं। अटल जी ने आदिम जाति विकास मंत्रालय का गठन कर उन्होंने आदिवासी कल्याण की योजनाओं को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया गया है। इससे पूर्व 60 स्थानों पर परिसरों का लोकार्पण हो चुका है। अटलजी के जन्म-शताब्दी वर्ष में सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर निर्मित किए जा रहे हैं, ताकि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता अटलजी की स्मृतियाँ चिरस्थायी बनी रहें। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के पश्चात छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति मिली है। अटलजी की दूरदृष्टि और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत रायपुर में 1023 आवासों की स्वीकृति दी गई है। विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि अटलजी ने अपना वादा निभाते हुए छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का स्वरूप प्रदान किया। आज डबल-इंजन की सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 'गुड गवर्नेंस' की अवधारणा को देश ने अटलजी के नेतृत्व में अनुभव किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंडरी बस स्टैंड के पीछे 14 करोड़ 71 लाख रुपए तथा नरैया तालाब के पास 14 करोड़ 66 लाख रुपए के कामकाजी महिला छात्रावास का भूमिपूजन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत तेलीबांधा चौक के पास 39 करोड़ 31 लाख रुपए के टेक्नीकल टॉवर और खम्हारडीह में 20 करोड़ 93 लाख रुपए के 2500 किलोलीटर क्षमता के नवीन जलागार का भी भूमिपूजन किया। श्री साय ने दलदल सिवनी अम्युजमेंट पार्क के पास 11 करोड़ 42 लाख रुपए के नालंदा परिसर, पचपेड़ी नाका से सीएसईबी चौक तक 13 करोड़ 39 लाख रुपए के गौरवपथ तथा 11 करोड़ 17 लाख रुपए के पीएम ई-बस डिपो एवं दो करोड़ 79 लाख रुपए के पीएम ई-बस डिपो के लिए इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन का भूमिपूजन किया। उन्होंने लाभांडी और फुंडहर में 35 करोड़ 73 लाख रुपए के राइजिंग एवं डिस्ट्रीब्युशन पाइपलाइन, विधायक कॉलोनी से अविनाश वन होते हुए एनएच-53 तक एक करोड़ 94 लाख रुपए के नाला पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना में तीन करोड़ 23 लाख रुपए के सीसी रोड एवं नाली निर्माण तथा श्रीराम मंदिर के पास एक करोड़ 98 लाख रुपए के आरसीसी कवर्ड नाली निर्माण का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने रायपुर-ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए के मुख्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, बीटी रिनिवल, ड्रेन एवं अन्य कार्यों, रायपुर-उत्तर विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए के मुख्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, बीटी रिनिवल, ड्रेन एवं अन्य कार्यों, रायपुर-दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में दो करोड़ 99 लाख रुपए के दतरेंगा मोड़ से चन्द्रा टाउन, महादेव घाट रोड तक सड़क सुदृढ़ीकरण, दो करोड़ 52 लाख रुपए से शहर के विभिन्न स्थानों में सड़क मरम्मत एवं बीटी टॉपिंग कार्य तथा दो करोड़ 71 लाख रुपए से शहर के विभिन्न मार्गों में बीटी टॉपिंग एवं पैच रिपेयर कार्य का भूमिपूजन किया।

विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण होते हुए भी आर्थिक रूप से पिछड़े इस क्षेत्र की आवश्यकता को अटलजी ने पहचाना और नया राज्य देकर विकास का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि बीते दो वर्षों में रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में लगभग 500 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में रायपुर शहर का सर्वांगीण विकास हो रहा है और विकास के कार्य अंतिम पंक्ति तक पहुँच रहे हैं।

### हितग्राहियों को भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र और चेक वितरित किए

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के पांच हितग्राहियों कांती ढीढ़ी, अजय शर्मा, योगेश साहू, पवन साहू और काशीराम वर्मा को भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र वितरित किए। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना के पांच हितग्राहियों उमा जोशी, फूलबाई गिरी, निशा द्विवेदी, श्रीमती रामप्यारी और भगवती यादव को 50-50 हजार रुपए का चेक प्रदान किया।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस ने अपने स्वागत उद्बोधन में अटल परिसरों के निर्माण तथा आज लोकार्पित एवं भूमिपूजित कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायकगण राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, इंद्रकुमार साहू, अनुज शर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंदकुमार साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप, राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ शशांक पाण्डेय सहित नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग एवं रायपुर नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

## अटल जी की जयंती पर छाया चित्र प्रदर्शनी का उपमुख्यमंत्री शर्मा ने किया शुभारम्भ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर कवर्धा के भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में उनके जीवनवृतांतों पर आधारित छाया चित्र प्रदर्शनी का आज उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अटल के जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने सिद्धांतों, संवेदनशीलता और दूरदर्शी नेतृत्व के माध्यम से देश को नई दिशा दी। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि यह छाया चित्र प्रदर्शनी न केवल अटल जी के राजनीतिक जीवन को दर्शाती है, बल्कि उनके मानवीय दृष्टिकोण और राष्ट्र के प्रति समर्पण को भी प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती है।

प्रदर्शनी में अटल जी के सार्वजनिक जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों, विकासोन्मुखी निर्णयों, कूटनीतिक उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी पहलों को चित्रों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है।

### प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से ग्रामीण घरों में हो रहा उजाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जन जन तक मुफ्त बिजली पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जारी की गई है। इस योजना का लाभ लेकर हजारों हितग्राहियों के चेहरे खिल गए हैं। जहां एक ओर उन्हें मुफ्त बिजली प्राप्त हो रही है वहीं बिजली के बिलों से उन्हें मुक्ति मिल गयी है। इस योजना ने जशपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त परिवर्तन की शुरुआत की है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से आम नागरिकों को प्रत्यक्ष और स्थायी लाभ मिल रहा है। बगीचा विकासखंड अंतर्गत ग्राम चम्पा निवासी कोइरा राम हैं।

## सांसद खेल महोत्सवः 'फिट युवा, विकसित भारत' का भव्य समापन, सीएम साय ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद खेल महोत्सव 'फिट युवा, विकसित भारत' का समापन समारोह पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में उत्साहपूर्ण और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय खेल एवं युवा कार्य मंत्री मनसुख मांडविया तथा देशभर के सांसद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और समापन समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित किया। ऑडिटोरियम में उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री के प्रेरक उद्बोधन को ध्यानपूर्वक सुना।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन की शुरुआत सुशासन दिवस की शुभकामनाओं के साथ करते हुए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' जैसे आयोजन युवा पीढ़ी में खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए सशक्त मंच प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह महोत्सव लगभग चार महीनों तक रायपुर संसदीय क्षेत्र के 36 विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। इसमें स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने इस व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल को विशेष बधाई दी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खेलों में केवल पहला, दूसरा या तीसरा स्थान ही सबकुछ नहीं होता, बल्कि अनुशासन, टीम-स्पिरिट, समर्पण और सतत अभ्यास के गुण ही किसी को महान खिलाड़ी बनाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महोत्सव से अनेक खिलाड़ी उभरकर सामने आएंगे, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों के सपनों को पंख देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ में खेल अलंकरण समारोह पुनः प्रारंभ किया गया है। ओलंपिक में प्रदेश के खिलाड़ी के चयन पर 21 लाख रुपये तथा स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 3 करोड़, 2 करोड़ और 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिली है, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। रायपुर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम है और जनवरी माह में यहां पुनः बड़े मैचों का आयोजन किया जाएगा। खेलो इंडिया के कार्यालय विभिन्न स्थानों पर स्थापित कर नई खेल प्रतिभाओं को तराशने का कार्य किया जा रहा है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' का शुभारंभ 29 अगस्त को हुआ था और यह आयोजन रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 36 स्थानों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही नहीं, बल्कि खेल-कूद भी जीवन में समान रूप से महत्वपूर्ण है और इसी के माध्यम से बच्चे देश-प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। इस महोत्सव में 542 गांवों से सहभागिता रही और 85 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

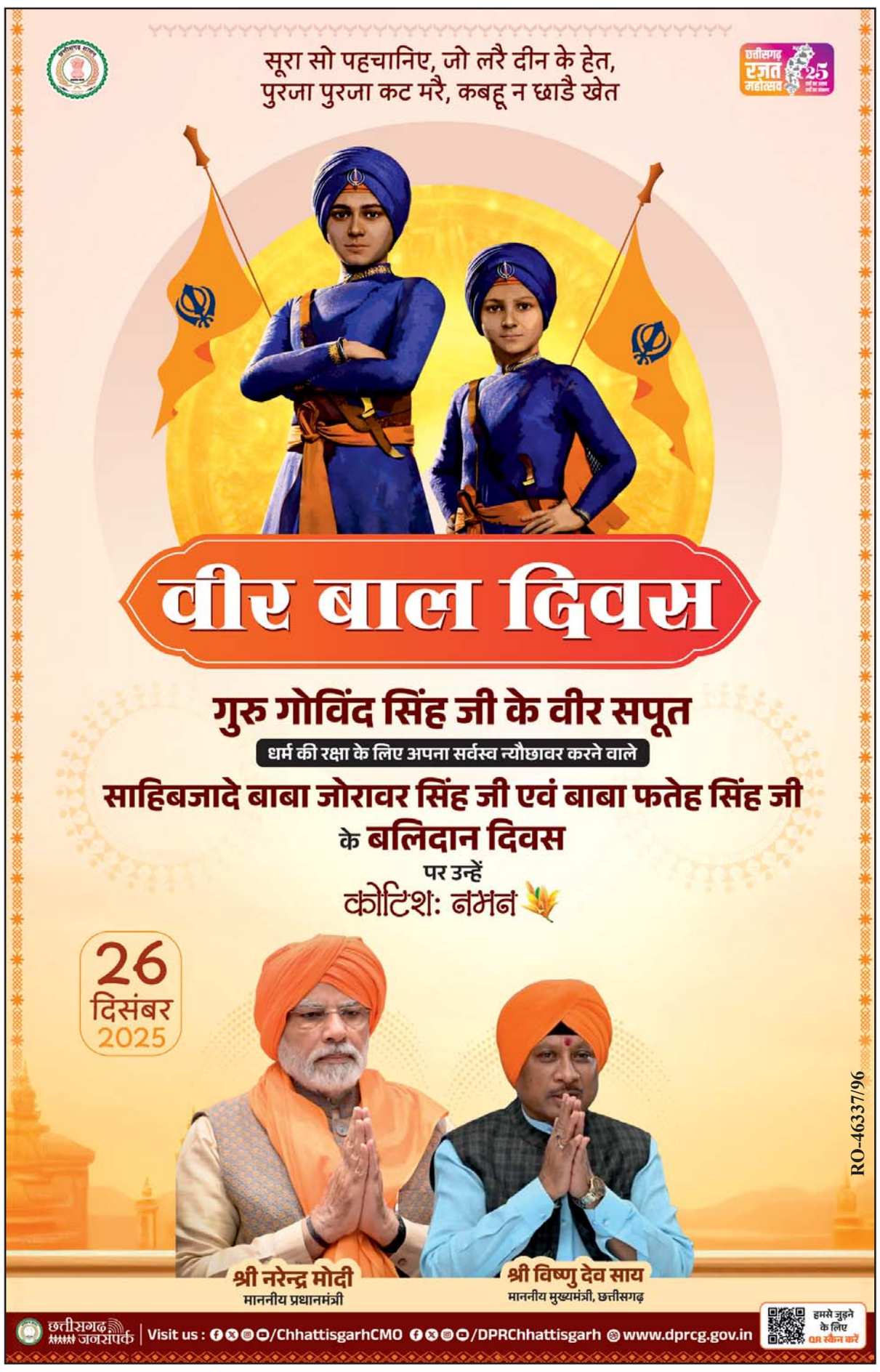


स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950